Dharyate iti Dharma - धार्यते इति् धर्मः

Kalpana Sengar - कल्पना सेंगर

Editor - Narendra Agrawal

Hindi Translation - Dr. Harenda Agrwal

Bilingual/द्विभाषी - English/हिन्दी

First edition : Bilingual/द्विभाषी - English/हिन्दी March 2014

इस पुस्तक का कोई भी हिस्सा किसी भी प्रकार या माध्यम से बिना प्रकाशक की अनुमति के ना ही पुनः प्रदर्शित या अनुवाद किया जाये।

No part of this book may be reproduced in any manner whatsoever or translated in any other language without permission in writing of the publisher.

हॉलाकि इसके प्रकाशन में सभी सावधानी रखी गई है, तब भी लेखक, प्रकाशक एवं मुद्रक किसी भी नुकसान के जिम्मेदार नहीं होंगे जो प्रकाशन में अंजाने से हुई किसी भी गलती के कारण किसी को हुई हो। प्रकाशक आपका आभारी होगा यदि आप इसके प्रकाशन में हुई किसी गलती को सामने लाते है, जिससे की अगले संस्करण में उसे सुधारा जा सकें।

Although every care has been taken in publication of this book, the author, the publishers and the printer shall not be responsible for any loss or damage caused to any person on account of error or omissions which might have crept in. The publishers shall be obliged if mistakes are brought to their notice to carrying out corrections in the next edition.

Published by: Bandna Choudhary
Plot No.-34, Sada Colony
Saradar Ballabhbhai Patel Colony
Jamnipalii. Korba-495450, India

प्रकाशकः बंदना चौधरी
प्लाट नं.-34, साडा कॉलोनी,
सरदार बल्लभभाई पटेल कॉलोनी,
जमनीपाली, कोरबा-495450 भारत,

FEW WORDS

Title of the book (Dharyate iti dharma- that which encompasses is dharma)itself defines the dharma. It covers eighty one topics/subjects which assimilates age old wisdom of Taoism (an important pillar of Chinese thought, which teaches that there is one undivided truth at the root of all things, and it literally means 'Tao-the way') and wisdom of dharma the Sanatana, (main pillar of Indian thought, which teaches that there is one and that is perennial –no beginning and no end).

Taoism as described in 'Tao Te Ching' by great master Lao-Tzu, aproximately 2600 years ago in China and shruti and smirti of Dharma the Sanatana prevalent in Bharat appears to be the basis of assimilation in 'Dharyate iti dharma'. It truly reflects collective wisdom of both side of Himalaya.

Publishers
24.05.2020

कुछ शब्द

पुस्तक का शीर्षक (धार्यते इति धर्मः–वह जो धारण करता है –धर्म है) ही धर्म को परिभाषित करता है। संकलन में इक्यासी विषय हैं, जो एक और ताओ की बुद्धिमत्ता/विज्ञान (ताओ चीन के ज्ञान–विज्ञान एवं विचार शैली का प्रमुख स्तंभ है, ताओ जिसका अर्थ है–रास्ता, तरीका, मार्ग, और जो बताता है कि सभी पदार्थों के जड़ में एक मूल सत्य हैं) एवं दूसरी ओर सनातन के बुद्धिमत्ता/विज्ञान (सनातन जो भारतीय बुद्धिमत्ता/विज्ञान का मुख्य स्तंभ है–जिसका अर्थ है, हमेशा, लगातार, जिसका 'न आदि है न अंत है') को समाहित करती है।

ताओ– जैसा कि ताओ–ते–चिंग में महान गुरू लाओत्से ने लगभग 2600 वर्ष पहले लिखा एवं सनातन जो भारतीय जनमानस के श्रुति एवं स्मृति में समायी है, कि समझ ही धार्यते इति ध र्मः का मूल प्रतीत होती है। धार्यते इति धर्मः सही मायने में हिमालय के दोनों ओर की बुद्धि मत्ता एवं विज्ञान को एक साथ प्रदर्शित करती है।

प्रकाशक
24.05.2020

The god that can be fully defined is not the omnipresent god.

The god that can be singly named is not omniscient god.

In the beginning name is not assigned.

Naming is the initiation of heaven and earth.

Naming is to know the existence of myriad things

In observation name disappears and forms appears,

In application form disappears and name appears,

forms and names are one but differ in description,

the unity of name and form is said to be Maya,

Maya of all Maya is the door to Maya of creation.

***

पूरी तरह से परिभाष्य ईश्वर सर्वव्यापी नहीं है,
एक अकेले नाम से सम्बोधित ईश्वर सर्वत्र विद्यमान नहीं है,
प्रारम्भ में नाम नहीं है,
नामकरण धरती और स्वर्ग की शुरुआत है,
नाम असंख्य चीजों के अस्तित्व का बोध है।

देखने में रूप प्रगट होता है, और नाम लुप्त हो जाता है,
प्रयोग में रूप लुप्त हो जाता है और नाम प्रगट होता है,
रूप और नाम एक हैं लेकिन वर्णन में अलग,
नाम और रूप की एकता माया कही जाती है,
माया की माया सृजन की माया का द्वार है।

***

Lotus blooms on filthy water,

Beauty blooms on ugliness,

Diamond sparkles on coal,

Goodness glorifies on the base of simplicity.

Therefore have not provide platform for haves,

Easiness arises on the solid security,

Highness arises on hard and deep foundation,

Music is heard in silence, rain appears at low pressure,

Civilisation arises on mutual respect and mutual fear,

Therefore the sages carry both.

Life takes birth, grows, and dies without cease,

creating, sustaining and consuming is the part of nature.

***

कीचड़ में कमल खिलता है,
कुरूपता में सौन्दर्य,
कोयले पर हीरे चमकते हैं,
सहजता के आधार पर अच्छाई सुशोभित होती है।

इस तरह वंचित सम्पन्नों को मंच देते हैं,
सुदृढ़ सुरक्षा में आराम पनपता है,
गहरी और मजबूत नींव पर ऊंचाइयां उठती हैं,
निस्तब्धता में संगीत, निर्वात में बर्षा,
परस्पर सम्मान और परस्पर भय में सभ्यतायें उठ खड़ी होती हैं,
इसलिए संत दोनों को लेकर चलते हैं।

निर्वाध जीवन जन्म लेता, बढ़ता और मरता है,
सृजन संधारण और हनन प्रकृति के ही अंग हैं।

***

Treasure is to remove hunger of belly,

Goal is to remove confusion of heart,

Glory is to remove darkness of mind,

Responsibility is to remove lethargy,

Fear is to remove indiscipline,

The wise therefore rules by sharing,

By cleaning the mind and purifying the heart,

Working and partying together.

If men have heart and head,

then masters can guide them,

Karma can’t be left,

all has to be done.

***

धनधान्य है क्षुधा से निवृत्ति के लिए,
लक्ष्य है हृदय को भ्रम से मुक्ति,
गरिमा है मस्तिष्क के अंधेरे को हटाना,
और कर्तव्य, आलस्य को हटाना।

अनुशासनहीनता हटाने के लिये भय है,
और इसलिये बुद्धिमान सहभागिता से राज्य करते हैं,
मस्तिष्क और हृदय की शुद्धि से,
साथ–साथ श्रम और उत्सव से।

अगर मनुष्यों के पास हृदय और मस्तिष्क हो,
तो गुरू उन्हें दिशा दे सकते हैं,
कर्म छोड़े नहीं जा सकते,
पूरे करने ही होते हैं।

***

Dharyate iti dharma,

Dharma is all encompassing, dharma is full,

Utilize it fully and still it remain full,

unfathomable source of energy of all yoni.

Sharpen the saw, open the knot,

brighten the glare, carry the dust,

Oh! Hidden achievable and ever present,

the beginning less and an endless

the dharma is the forbearer of each yoni.

***

धार्यते इति धर्मः,
धर्म सभी कुछ में व्याप्त है, पूर्ण,
पूरी तरह उपयोग के बाद भी पूर्ण,
सारी ही योनियों के लिये ऊर्जा का असीम श्रोत।

प्रत्यन्चा को खींचो, ग्रन्थि को खोलो,
चमक को तेज करो, धूल को उठाओ,
सनातन, प्राप्य और गुप्त,
अनादि और अनंत,
धर्म हर योनि का भार उठाये हुये है।

***

Sun and moon are impartial,
Heaven and earth are impartial,
Air and water are impartial,
they see all the eighty four lakh
Yoni as their own,
The sages are impartial,
they see all the people as their own.

The space between
heaven and earth is working space,
to change the shape, to move, to yield
Required words are understood more,
Silence is the best communicator,
hold fast to the basics the undying..

***

सूरज और चाँद भेदभाव से ऊपर हैं,
स्वर्ग और धरती भेदभाव से ऊपर हैं,
वायु और जल भेदभाव से ऊपर है,
उनके लिये सारी चौरासी लाख योनियाँ उनकी अपनी हैं,
संत भेदभाव से ऊपर हैं,
उनके लिये सारे लोग उनके अपने हैं।

आसमान और धरती के बीच में जगह,
काम करने की जगह है,
रूप को बदलने, चलने और मुड़ने की जगह,
वांछित शब्द ज्यादा समझ में आते हैं,
मौन सबसे बेहतर सम्प्रेषण,
अक्षय आधारों को मजबूती से थाम लो।

***

The spirit never dies
It is the spirit primal being.

Spirit is the gateway,
the door of the triology of life,
the creation, sustenance and cessation,
it is like a veil, verily seen.

Live it, it will never exhaust.

***

आत्मा कभी मरती नहीं,

यह अनादि जीवन आत्मा ।

आत्मा जीवन के त्रि–दर्शन का प्रवेश द्वार,

सृजन, संधारण और हनन,

एक पर्दे की तरह छिपा हुआ।

इसे जिओ, यह कभी समाप्त न होने वाली है।

***

Spirit lasts forever,

Why does spirit last forever?

It is unborn, so ever living

Spirit does not exist for itself,

thus it can last forever.

The parents practice patience while children play,

Children perform and praise the parents.

Sages stay behind, and look to the society,

People work and enjoy and pray to sages,

Children provide longevity to parents,

thus parents remain for longer,

Society provides longevity to sages,

thus sages remain forever.

***

आत्मा की मृत्यु क्यों नहीं है ?

यह अजन्मा है इसलिये हमेशा जीवित,

यह अपने आपके लिये नहीं जीती,

इसलिये यह हमेशा जी सकती है।

जब बच्चे खेलते हैं माता–पिता धैर्य का अभ्यास करते हैं,

बच्चे प्रदर्शन करते हैं और माता–पिता के गुण गाते हैं,

संत पीछे रुके रहते हैं और समाज की ओर देखते हैं,

लोग श्रम करते हैं आनंद मनाते हैं और ऋषियों से प्रार्थना करते हैं,

बच्चे माता–पिताओं का जीवन बढ़ाते हैं,

इस तरह माता–पिता ज्यादा समय रहते हैं,

समाज ऋषियों का जीवन बढ़ाता है,

इस तरह ऋषि हमेशा बने रहते हैं।

***

The highest good is like five elements,

Five elements give life to the eighty four

lakh species and does not strive,

It reaches to places and so is like the god.

In life, be aware,

In orientation, be goal oriented,

In dwelling, be close to nature,

In meditation, be close to consciousness,

In dealing, be firm and natural,

In speech, be straight,

In ruling, be ethical,

In routine, pray, play and party,

Pray in private, play with player, and party with partner.

***

श्रेष्ठतम अच्छाई पॉच तत्वों की तरह है,

ये चौरासी लाख योनियों को जीवन देते हैं,

ये ईश्वर की तरह हर ओर व्याप्त हैं।

जीवन में जागरूक हों,

लक्ष्य की ओर निर्देशित हों,

जीवन प्रकृति के पास,

ध्यान में चेतन के समीप।

व्यवहार में मजबूत और प्राकृतिक,

वाणी में स्पष्ट,

शासन में मूल्यों पर आधारित,

और क्षण–क्षण प्रार्थना, क्रीड़ा और सौहार्द,

एकांत में प्रार्थना,

खिलाड़ी के साथ खेल और सहभागियों के साथ सौहार्द।

***

Better to fill to the brim than stop short,

Under sharpen blade does not serve the purpose,

Scatter the wealth and happiness, then no one can steal it,

Share wealth and titles, happiness will follow.

When tired relax, when job is finished retire,

When work reappears take rebirth

This is the way of heaven and earth.

***

अधूरे भरे होने से लबालब होना अच्छा,

मोथरी धार काम नहीं देती,

सम्पत्ति और प्रसन्नता को फैला दो,

तब कोई इसे चुरा नहीं सकता,

सम्पदा और उपाधियों को बांटो, और प्रसन्नता चली आयेगी,

जब थक जायें विश्राम करें, और काम पूरा होने पर मुक्त,

जब काम पुनः आये तो पुर्नजन्म,

यही स्वर्ग और धरती का रास्ता है।

***

Soul embraces the body and life appears,
For life can one avoid embracing?
Attending age and becoming wise,
can one remain as an innocent?
looking and seeing the primal feeling,
can one avoid cleanliness?
Loving all men and ruling the world,
can one retain cleverness?
opening and closing the gates of happiness,
can one cling to attachment?
Understanding and being open to all,
can you avoid being watchful?

Giving birth and nourishing,
bearing yet not possessing,
working yet not taking credit,
leading yet not dominating,
sacrificing, yet not expecting,
loving yet not laughing,
is this not the dharma?

***

आत्मा शरीर का आलिंगन करती है और जीवन पैदा हो जाता है,
जीवन के लिये क्या कोई आलिंगन से अलग हो सकता है ?
परिपक्व अवस्था और बुद्धिमान बन जाने पर,
क्या कोई निश्छल रह सकता है ?
आदिम अनुभूति को देखकर भी,
क्या कोई पवित्रता से बच सकता है,
सारे मनुष्यों से प्रेम करते और दुनिया पर शासन करते भी,
क्या कोई चातुर्य को बचा सकता है ?

प्रसन्नता के प्रवेश द्वारों को खोलते बंद करते,
क्या कोई आसक्त रह सकता है ?
समझदार और सबके लिये खुला रहकर भी,
क्या कोई निरन्तर अवलोकन से बच सकता है ?

जन्म देते और पोषण देते,
पालते लेकिन अधिकार भाव के बिना,
काम करते लेकिन श्रेय से बचते,
नेतृत्व करते लेकिन आधिपत्य से मुक्त,
बलिदान देते लेकिन आशा के बिना,
प्रेम करते लेकिन फिर भी बिना ठहाकों के,
क्या यह धर्म नहीं है ?

***

Spokes connects wheels rim and hub,
hub is stationary, rim can rotate,
It is the drive of the vehicle that,
define its applicability and suitability.

Clay forms the vessel and covers space,
It is the shape and inside space,
that define its security and suitability.

Cut doors and window for a room,
It is the shape and inside space,
that defines its security and suitability.

Shaft in the center, stator in the cover,
It is the capacity of the generator ,
which defines its security and suitability.

What appears is the form and is driven,
What does not appear is the drive.

***

तारें पहियों को जोड़ते हैं, चक्र और धुरी से,
धुरी स्थिर है और चक्र घूम सकता है,
वाहन के चलने से ही,
इसकी उपयोगिता एवं उपादेयता होती है।

मिट्टी घड़े को बनाती और स्थान को घेरती है,
इसका आकार और भीतरी स्थान,
इसकी सुरक्षा और उपयुक्तता तय करते हैं।

कमरे के लिये दरवाजे और खिड़कियां बनाओं,
इसका आकार और भीतरी स्थान,
इसकी सुरक्षा और उपयुक्तता तय करते हैं।

केन्द्र में शेफ्ट और ढांचे में स्टेटर,
जनरेटर का आकार एवं प्रकार,
इसकी सुरक्षा और उपयुक्तता तय करते हैं।

जो दिखाई देता है वह रूप है और यह चालित है,
जो नहीं दिखाई देता वह चालक।

***

The seven colours are seen by the eyes,

The seven corruption are performed by the public

The seven tones are heard by the ears,

The seven tastes are tasted by the tongue,

The seven senses are analyzed by the mind,

The seven sentiments are felt by the heart,

The seven energy centers complete the subtle,

Precious of these all pervades the spirit,

Therefore greats are guided by the central,

not by surrounding

Sages let go of that and chooses this.

***

आँखें सात रंग देखती हैं,

कान सात स्वरों को सुनते हैं,

जिव्हा सात स्वादों को ग्रहण करती हैं,

मस्तिष्क सात संवेदनाओं का विश्लेषण, और

हृदय भी सात भावनाओं की अनुभूति करता है,

जबकि इन सबसे मूल्यवान आत्मा में विस्तीर्ण है।

महान लोग केन्द्रीय तत्व से संचालित होते हैं,

परिधि से नहीं,

ऋषि उसको छोड़ देते हैं और इसको चुन लेते है।

***

Accept the grace and disgrace,
Accept the fortune and misfortune,
Accept being important as well as unimportant,

What do you mean by accept grace and disgrace?
Do not bother with loss or gain,
this is called accepting grace and disgrace.

What do you mean by accept fortune and misfortune?
Fortune and misfortune come as a cycle
So without a misfortune how could there be fortune?

What do you mean by accept being important
as well as unimportant?
Do not bother with being a foundation of victory
or flag of victory,
this is called accepting being unimportant
as well as important.

Surrender yourself, and you will be taken care of
Love the world as your own self,
then one will receive true love.

***

प्रसाद और अप्रसाद को स्वीकृत कर लो,
सौभाग्य और दुर्भाग्य को,
महत्वपूर्ण होने और गैरमहत्वपूर्ण होने को स्वीकृत करो।

प्रसाद और अप्रसाद को स्वीकृत करने का अर्थ क्या है ?
हानि और लाभ की चिन्ता नहीं करना,
यही अर्थ है प्रसाद और अप्रसाद को स्वीकृत करने का।

सौभाग्य और दुर्भाग्य को स्वीकृत करने का अर्थ क्या है ?
सौभाग्य और दुर्भाग्य का तो एक चक्र है,
दुर्भाग्य के बिना सौभाग्य कहां।

महत्वपूर्ण होने और गैरमहत्वपूर्ण होने को
स्वीकृत करने का, अर्थ क्या है ?
विजय की आधारशिला होने या ध्वज होने की चिन्ता न करो,
यही अर्थ है महत्वपूर्ण होने और गैरमहत्वपर्णू होने का।

अपने आपको समर्पित करो, और तुम्हारा ध्यान रखा जायेगा,
दुनिया को अपनी ही आत्मा की तरह प्यार करो,
तभी सच्चा प्रेम प्राप्त होगा।

***

Look, it cannot be looked,
Listen, it cannot be heard,
Smell, it cannot be smelled,
Grasp, it cannot be grasped,
It is beyond, form, sound, smell, tangibility,
these are indefinable, and are joined in one.

It is not lamp,
bright above and dark below,
It is nothingness and everything.
The form of the formless,
Image of the imageless,
Indefinable and unexplainable,
It has no beginning and is an endless.

See it, hear it, fragrance it, experience it,
hold it, move with it, stay with it
Know the past; meditate on future, move with present,
Is this not the essence?

***

देखो, इसे देखा नहीं जा सकता,
सुनो, इसे सुना नहीं जा सकता,
सूंघो, इसी सूंघा नहीं जा सकता,
पकड़ो, यह पकड़ में नहीं आता,
यह रूप, ध्वनि, गंध और पकड़ परे है,
ये अपरिभाष्य हैं और एक में जुड़े हुये।

यह एक दिया नहीं है,
ऊपर रोशन और नीचे अंधेरा,
यह शून्यवत है और सब कुछ,
अरूप का रूप, अछाया की छाया
अपरिभाष्य और अवर्णनीय,
अनादि और अनंत।

इसे देखो, इसे सुनों, इसकी गंध लो, इसका अनुभव करो,
इसे थामों, इसके साथ चलो, इसके साथ ही रहो,
भूत को जानो, भविष्य का ध्यान करो, वर्तमान के साथ चलो,
क्या यही सत्व नहीं ?

***

Sages are subtle,

Knowledgeable, wise, responsive, loving,

their understanding is up to the core,

because it is up to the core, so it cannot be described.

They are watchful, alert, courteous, yielding,

simple, sound, hollow and clear and much more,

they can wait quietly while the,

children settle their scores,

They can remain unarmed,

even in the center of war.

Performers of the dharma,

do not seek result,

not seeking result,

they remain free from bondages.

***

ऋषि सूक्ष्म हैं,
ज्ञानी, बुद्धिमान, संवेदनशील और प्रेमपूर्ण,
उनकी समझ जड़ तक जाती है,
चूंकि यह जड़ तक जाती है, इसलिये यह अवर्णनीय है,
वे साक्षी, जागृत, मित्रतापूर्ण, नम्र,
सरल, स्वस्थ, खाली और साफ तथा बहुत कुछ और भी हैं,
वे धैर्य के साथ प्रतीक्षा में,
बच्चों के झगड़ों का सुलझना देख सकते हैं,
युद्ध के बीच भी वे निहत्थे रह सकते हैं।

धर्माचरण पर चलने वाले,
फलों की खोज नहीं करते,
चूंकि वे फल नहीं खोजते,
इसलिये बंधनों से सदा मुक्त रहते हैं।

***

Let the mind become meditative,
countless things rise and fall,
countless things grow and flourish and,
then return to the source.

Going away from the source is birth.
Going back to the source is death.
These are the way of nature.
Static provides speed and dynamic provides energy
Knowing static is insight,
Knowing dynamic is foresight,
not knowing static and dynamism brings botheration
Understanding both heart and head bring joy.

With openness one act godly,
acting godly one will be at one with the god,
being at one with primordial.

***

दिमाग को ध्यानपूर्ण बनने दो,
असंख्य चीजें उठती और गिरती हैं,
असंख्य चीजें बढ़ती और पल्लवित होती हैं,
और अपने श्रोत पर वापिस लौटती हैं।

श्रोत से दूर जाना जन्म है,
श्रोत पर वापिस लौटना मृत्यु,
और यही प्रकृति के रास्ते हैं,
स्थिरता, गति प्रदान करती है और गति उर्जा,
स्थिर को जानना अंर्तदृष्टि है और गतिशील को जानना पूर्वदृष्टि,
स्थिर और गतिशील को न जानना भ्रम है,
हृदय और मस्तिष्क दोनों की समझ आनंद।

खुलेपन से ईश्वर की तरह कार्य होता है,
ऐसा करने से प्रभू से एक्य होता है,
ईश्वर से एकत्व सनातन है।

***

People perform for fulfilling their need and desire,
need of food, sex and structure,
desire to achieve the goal, or fear to fail,
desire of nurturing love and being loved.

People avoid when they despise,
people take the work when they fear,
people accept the work when they love,

work of fear wants to be forgotten,
work of love wants to be owned and sustain,
people outperform when their identity is questioned,
therefore saint allows love to precipitate, fear to evaporate,
and identity to maintain.

***

लोग अपनी इच्छाओं और तृष्णाओं के लिये कार्य करते हैं,
पेट की जरूरत वासना की जरूरत ढॉचे की जरूरत,
लक्ष्य प्राप्त करने की इच्छा या असफलता का भय,
प्रेम को पुष्ट करने की इच्छा, और प्रेम पाने की इच्छा।

लोग हिकारत करने पर बचते हैं,
भय होने पर काम ले लेते हैं,
और जब वे प्रेम करते हैं कार्य को स्वीकृत करते हैं।

भय में किया हुआ कार्य भूल जाना चाहता है,
प्रेम में किये हुये कार्य को अपना मानते और आगे बढ़ाते हैं,
अस्मिता पर सवाल उठने पर जरूरत से ज्यादा कर जाते हैं,
इसलिये ऋषि प्रेम के स्थान लेने, भय के वाष्पीभूत होने और
अस्मिता के बनने की अनुमति देते हैं,

***

When dharma is forgotten, ism arises,

when sages are ignored, celibacy arises,

when old and wise are sidelined, information arises,

when health is forgotten, medicine arises,

When synergy is broken, yoga arises,

When ethics is ignored, confusion and chaos arises,

when harmony and rthym is broken, diplomacy and brevity arise,

and arise the bundles of loyal forces and minister.

Appearance of various qualities,

is not the disappearance of larger order?

***

धर्म के विस्मरण पर वाद पैदा होता है,
ऋषियों की उपेक्षा से ब्रह्मचर्य पैदा होता है,
बुजुर्गों और बुद्धिमानों की उपेक्षा से सूचना,
जब स्वास्थ्य भूल जाता है चिकित्सा पैदा होती है,
जब लय टूट जाती है तब योग,
जब नीति की उपेक्षा होती है, भ्रम और अराजकता पैदा होती है,
जब लयबद्धता टूट जाती है, कूटनीति और तुच्छता पैदा होती है,
और पैदा होते हैं समर्पित सेनायें और मंत्री,
अलग–अलग गुणों के आ जाने से,
बड़ी व्यवस्था चली नहीं जाती?

***

Give up sainthood, renounce wisdom,
and disaster for society is not far off.
Give up kindness, renounce ethics,
and loss of mutual trust and faith is not far off.
Give up ingenuity, renounce profit,
and slavery for community is not far off,
These three are outward forms,
they are not sufficient in themselves.

Is it not more important to see the self,
to realize one’s true nature,
to fulfill the purpose to live the life?

***

संतत्व को छोड़ दो, बुद्धिमत्ता का त्याग कर दो,
और समाज का पतन दूर नहीं है,
दयालुता छोड़ दो, नीति का त्याग कर दो,
और आपसी विश्वास का क्षय दूर नहीं है,
मौलिकता को छोड़ दो, लाभ का त्याग कर दो,
और समुदाय के लिये गुलामी दूर नहीं है।

ये तीन तो सिर्फ बाहरी रूप हैं,
वे अपने आपमें पर्याप्त नहीं।

क्या स्वयं को जानना,
स्वयं के वास्तविक स्वभाव को पहचानना,
जीवन जीने के उद्देश्य को पूरा करना,
ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं?

***

Give up learning,
it will be beginning of your troubles.
There is a difference between yes and no,
there is a difference between bad and good .
there is a difference between nonsense and sense,
there is a difference between satin and saint,
These are the benign beginning of senses.
Many has less than they need,
few have much more than they need.
In the spring some hide,
in the blanket and wake up late,
but sages are awake,
like a newborn babe
where they know how to cry
and remain close to mother earth
Oh! people drift like the waves of the sea
without direction like the restless wind.
People are afraid,
working as the sacrificial ox of the feast.
Many pretends to be clear and bright,
and many project to be sharp and clever,
feeling others to be dim and weak,
treating others as dull and stupid.
Everyone appears to be needy,
but few are with aim and are confident,
Sages know where these people are and bless such lot.

***

ज्ञान का त्याग कर दो,
यह तुम्हारी मुसीबतों की शुरुआत है,
हां और न में फर्क है,
अच्छे और बुरे में फर्क है,
व्यर्थ और सार्थक में फर्क है,
शैतान और संत में फर्क है,
ये अर्थवत्ता की भोली शुरुआतें हैं।
बहुतों के पास आवश्यकता से कम है,
बहुतों के पास जरूरत से बहुत ज्यादा,
बसंत में कुछ लोग कम्बलों में छुप जाते हैं
और देर से उठते हैं,
लेकिन ऋषि जागते हैं, एक नवजात शिशु की तरह,
उन्हें रोना आता है, और आता है
धरती मां के पास रहना।
अरे! लोग समुद्र की लहरों की तरह भटकते हैं,
दिशाहीन जैसे कि बेचैन हवा,
लोग भयभीत हैं,
बलि की दावत के बैल की तरह काम करते,
बहुत से स्पष्ट और तेजस्वी होने का दिखावा करते हैं,
बहुत से कुसाग्र और चतुर होने का दिखावा करते हैं,
दूसरों को बुद्धिहीन और कमजोर मानते,
दूसरों से मतिहीन और मूढ़ों सा बर्ताव करते।
हरेक जरूरतमंद लगता है,
लेकिन कुछ के पास लक्ष्य और आत्मविश्वास है,
ऋषियों को मालूम है कि ऐसे लोग कहां हैं,
वे इन्हें आर्शीवाद देते हैं।

***

The greatest virtue is to follow dharma,

It is intangible and all inclusive and within it is the vision,

It is integral and intangible and within it is the form,

It is light and bright

and within it are the fragrance and the essence.

Essence and fragrance are real,

therein lies the faith and the trust,

and therein lies the perception of

creator, sustainer and destroyer.

***

धर्म का अनुशरण सबसे बड़ा गुण है,

यह गूढ़ है सर्वसमावेशी और इसके भीतर ही दृष्टि है,

यह समाकलित है और इसके भीतर ही रूप है,

यह प्रकाशित है,

और इसके भीतर ही सुगंध और सत्व है।

सुगंध और सत्व वास्तविक हैं,

उनमें आस्था और विश्वास है,

और वहीं सृजन कर्ता, संधारणकर्ता और हननकर्ता की अनुभूति।

***

Yield dharma and become whole.
bend and get blessed,
be valley and get filled,
be high and become cloud, be cloud and rain,
be tired and sleep, be retired and die.

Wise embraces the dharma,
and becomes an example for all,
wise doesn’t display,
their actions shine forth,
Wise never justify themselves,
as no one can judge others
Wise never quarrels,
but sort outs the quarrels.

Therefore the sages say,
yield dharma and become whole,
be one with nature,
required things will come naturally .
Are these an empty word?

***

धर्म को जगह दो और पूर्ण बनों,
झुको और आर्शीवाद प्राप्त करो,
पात्र बनों और भर दिये जाओ,
ऊंचे उड़ो और बादल बन जाओ, बादल और बरसात बनों,
थको और सो जाओ, निवृत्त होकर मर जाओ।

प्रज्ञावान धर्म का आलिंगन करते हैं,
और सबके लिये उदाहरण बन जाते हैं,
वे दिखावा नहीं करते,
उनके कार्य स्वतः चमकते हैं,
वे अपने लिये तर्क नहीं जुटाते,
चूंकि कोई भी दूसरे का निर्णय नहीं कर सकता,
वे कभी झगड़ा नहीं करते,
वे झगड़ों का निपटारा करते हैं।

इसलिये ऋषि कहते हैं,
धर्म को जगह दो और पूर्ण बनों,
प्रकृति के साथ एक बनों,
जरूरी चीजें अपने आप चली आती हैं,
क्या ये केवल शब्द हैं ?

***

Stillness does not last long, so do the high wind,
Dry spell does not last long, so do the heavy rain,
Heaven and earth are not eternal,
so how is it possible for man?

He who follows the gain may loss in that.
When you are at one with loss or gain,
the loss or gain is experienced willingly.

He who is virtuous becomes master of that.
When you are at one with virtue,
mastery and followings will always be there
He who believes others, will always be cheated,
He who tasted the trust, will always be trusted.
When we are at one with the dharma,
dharma takes care of us.

***

निस्तब्धता लम्बी नहीं चलती, और इसी तरह तेज हवा भी,
सूखे के दिन लम्बे नहीं होते, और इसी तरह मूसलाधार बारिश भी,
स्वर्ग और धरती सनातन नहीं हैं,
तो फिर मनुष्य कैसे ?

जो लाभ के पीछे चलता है उसे उसमें हानि मिल सकती है,
जब तुम लाभ और हानि के साथ एक हो,
लाभ और हानि इच्छानुसार अनुभूत होते हैं।

सद्‌गुणी को स्वामित्व प्राप्त होता है,
जब तुम सद्‌गुणों के साथ एक हो,
तो स्वामित्व और अनुशरण करने वाले हमेशा ही हैं।

जो दूसरों पर भरोसा करता है उसे तो धोखा मिलना ही है,
जिसने आस्था को अनुभव किया है, उसे आस्था ही मिलेगी,
जब हम धर्म के साथ एक हो जायें,
धर्म हमारी जिम्मेदारियां ले लेता है।

***

Who stands can also tiptoe,

Who maintain pace, can also stride,

Who earn, can also present,

Righteous receives respect,

Achiever can also boost,

Who can endure can also brag,

Standing on own feet,

being righteousness, maintaining pace,

achievement and endurance brings happiness,

and these are necessary food and mandatory luggage

These are the basic life sustainer.

Basic life sustainer maintains better system,

therefore knower of the dharma carries them.

***

जो खड़ा है वह चल भी सकता है,
जो तेज चल सकता है कुलाचें भी भर सकता है,
जो कमा सकता है, दे भी सकता है।

सत्कर्मियों को सम्मान मिलता है,
सफल व्यक्ति बड़े बोल भी बोल सकता है,
जो लगनशील है वह स्वयं की तारीफ भी कर सकता।

अपने पैर पर खड़ा होना,
सत्कर्मी होना, गतिशील होना,
सफलता और अथक लगन प्रसन्नता लाती है,
यही जरूरी भोजन है, यही आवश्यक बोरिया बिस्तर,
बुनियादी जीवन आधार यही हैं,
बुनियादी जीवन आधार अच्छी व्यवस्था बनाये रखते हैं,
इसलिये धर्म को जानने वाला इन्हें साथ रखता है।?

***

From thy born the Dharmaraj,
then the planet and sun,
in that silence and the void
in that colloidal noise and burning sun light
in that ever present, perennial and unchanging sky
Dharmaraj created the Maya.
Maya were created, Dharma was procreated,
and created were eighty four lakhs variety,
People call it Maya of Dharmaraj.
People call it great, being great it flows,
being continue at flow, it circulate.
Having circulated it returns, therefore Dharma is great
Dharmaraj is great,
Planets are great, Sun is great,
Heaven is great, Earth is great,
Spirit is great, sages are great,
These are seven great powers of the universe,
and the sages are one of them
Man follows earth, earth follows sun,
Sun follows Dharma.
Dharma follows what is natural.

***

तुमसे धर्मराज उत्पन्न हुये,
फिर ग्रह नक्षत्रद्ध
उस मौन और सन्नाटे में,
उस तेज शोर और जलाने वाली रोशनी में,
उस सनातन, और स्थिर आकाश में,
धर्मराज ने माया का सृजन किया।
माया का सृजन हुआ, धर्म का जन्म हुआ,
और चौरासी लाख योनियां,
लोग इसे धर्मराज की माया कहते हैं,
लोग इसे महान कहते हैं, यह महान माया चलती है,
लगातार चलने के कारण यह चक्र लेती है,
चक्र लेने के कारण यह वापिस लौटती है,
इसलिये धर्म महान है।
धर्मराज महान है,
ग्रह और नक्षत्र महान है,
स्वर्ग और धरती महान है,
आत्मा महान है, ऋषि महान हैं,
ये ब्रह्मांड की सात महान शक्तियां हैं,
और ऋषि उनमें से एक।
लोग धरती का अनुगमन करते हैं,
धरती सूर्य का, और सूर्य धर्म का,
और धर्म उसका जो प्राकृतिक है।

***

Those who appears always smiling,
within them is heavy turbulence.
Those who appears to be adventurous,
carry heavy and solid security with them.
Those who appear weightless have sound,
and deep foundation.

Therefore the sages working day and night,
does not lose sight of subjects,
There is nothing more beautiful or ugly to be seen,
sages remains unattached and watchful.

Lord of thousand petal of lotus
act justly in society.
To be light is to be attached with dharma.
To be at rest is to be in gods hands.

***

जो हमेशा मुस्कुराते दिखाई देते हैं,
उनके भीतर भारी उद्विग्नता होती है,
जो जोखिम उठाते दिखाई देते हैं,
अपने साथ भारी सुरक्षा रखते हैं,
जो हल्के प्रतीत होते हैं,
उनके नीचे गहरी नींव होती है।

इसलिये ऋषि दिन–रात काम करते हुये भी,
लोगों पर निगाह रखते हैं,
जब देखने के लिये ज्यादा सुन्दर या कुरूप कुछ नहीं बचता,
ऋषि अनासक्त और चैतन्य बने रहते हैं।

सहस्त्रार के प्रभु, जन में न्याय से काम करते हैं,
धर्म से जुड़े रहना ही निर्भारता है,
ईश्वर के हाथों में होना ही विश्राम है।

***

A great march always leaves stories,

A good speech always leaves lasting echo,

A good reckoner is always counted,

A good door appears as wall,

A good food require no medicine,

a good marriage is without any knots and expiry

Therefore wise men, take care of all

and abandon no one

This is called following the dharma.

Who is good man?

envy, a teacher of a bad man.

Who is a bad man?

A good man’s charge

If the teacher does not behave like teacher,

and the students are not care for, confusion arises,

These are the basic principles.

***

एक महान यात्रा हमेशा ही कहानियां छोड़ जाती है,
एक अच्छा भाषण हमेशा ही प्रतिध्वनि,
एक अच्छा दरवाजा दीवार की तरह ही दिखता है,
अच्छा भोजन करने से दवाइयों की जरूरत नहीं होती,
अच्छे विवाह में कोई गाँठ नहीं होती और न ही अंतिम तिथि,
इसलिये बुद्धिमान लोग, सभी का ध्यान रखते हैं,
और किसी को छोड़ते नहीं,
यही धर्म का अनुगमन है।

एक अच्छा आदमी कौन है ?
बुरे आदमी का एक शिक्षक,
बुरा आदमी कौन है ?
अच्छे आदमी की जिम्मेदारी।

अगर शिक्षक–शिक्षक की तरह व्यवहार नहीं करता,
और छात्रों की देखरेख नहीं होती, भ्रम पैदा होता है,
ये बुनियादी सिद्धान्त हैं।

***

Know the strength, of men, of women
know the care, of men, of women
Know the both, hold on both,
Be the cloud, and, be the sea.
Being the water, the eternal flexibility does not depart.
How long you will remain like little child, Psychedelic,
grow be a man be a woman.
know the white, know the black,
be an example to the self,
ever true and unwavering,
be one with the dharma.
Know honor, know humility,
be the valley, and, be the mountain,
ever true and resourceful,
be one with the nature.
When the block is uncovered, it becomes statue
When the people pray, it becomes the god.
Thus a great tailor makes stone a statue
and the greatest tailor awards statue a status of god.

***

पुरुषों और महिलाओं की शक्ति को जानें,
पुरुषों और महिलाओं की देखरेख को जानें,
दोनों को जानें, दोनों थामें।
बादल बनें और समुद्र बनें,
जल बनने से सनातन लचीलापन बना रहता है।
कब तक अबोध बने रहोगे, चंचल चपल,
बढ़ो एक पुरुष एक महिला बनों,
सफेद को जानों काले को जानों,
स्वयं के लिये उदाहरण बनों,
हमेशा ही सत्यनिष्ठ हमेशा ही निष्कम्प,
धर्म के साथ एक बनों।

सम्मान को जानों, विनम्रता को जानों,
घाटी बनों और पहाड़ भी,
हमेशा सच्चे और हमेशा सही मार्ग जान लेने वाले,
प्रकृति के साथ एक बनों।
जब पत्थर पर से पर्दा उठ जाता है, यह मूर्ति बन जाता है,
जब लोग प्रार्थना करते हैं, यह ईश्वर हो जाती है,
एक महान शिल्पी एक पत्थर को मूर्ति बनाता है,
और सबसे महान शिल्पी मूर्ति को भगवान।

***

Do you think you can take over the,
world and improve it?
In this Maya, life goes on, Yug changes,
People forget the basics, people forget the ethics,
People forget the faith, People forget the dharma,
Confusion looms large, weeds and cactus scattered wide,
To clear the confusion, Christ arises, Paggamber arises,
and arises the Buddha and Mahaveer,
and to reestablish the rule of dharma arises,
the Ram and personality like Krishna,
The world is sacred, the dharma is sacred,
If you try to run it, you will lose,
If you try to control it, you will be finished,
Be with it, live with it.
Sometimes things are ahead and sometime people are ahead,
Sometimes breathing is hard, sometimes breathing is easy,
Sometime there is strength and sometimes there is weakness,
Sometime one is up and sometime one is down,
so the intelligent avoids extremes, excesses and complacency.
Sages says extremes do happens, excesses do happens,
that to without complacency.

***

क्या तुम सोचते हो, कि दुनिया पर शासन कर,
इसे सुधार दोगे?
इस माया में, जीवन चलता जाता है, युग बदलते हैं,
लोग बुनियाद भूल जाते हैं, लोग नीति को भूल जाते हैं,
लोग आस्था को भूल जाते हैं, लोग धर्म को भूल जाते हैं,
भ्रम व्यापक हो जाता है, खरपतवार और नागफनियां फैल जाती हैं,
भ्रम को साफ करने ईशा आते हैं, पैगम्बर उठते हैं,
बुद्ध और महावीर खड़े होते हैं,
और धर्म के राज्य को स्थापित करने के लिये,
राम आते हैं और कृष्ण आते हैं।
दुनियां पवित्र है, धर्म पवित्र है,
अगर तुम इसे चलाना चाहो, तुम इसे खो दोगे,
अगर तुम इस पर नियंत्रण करोगे, तो तुम्हीं नष्ट हो जाओगे,
इसके साथ रहो, इसके साथ जियो।
कभी चीजें आगे होती हैं, कभी लोग,
कभी सांस भारी होती है कभी हल्की,
कभी शक्ति होती है और कभी कमजोरी,
कभी–कभी हम ऊपर होते हैं, कभी नीचे,
इसलिये ज्ञानी अतिरेकों से बचता है।
ऋषि कहते हैं अतिरेक हो जाते हैं, अधिकता हो जाती है
और वह भी बिना बाधा के।

***

Whenever you advise anybody,
counsel him to use force only as a last resort,
and not to conquer the world.

Weeds, bushes, and bunker spring up whenever there is war,
looting and construction follows in the wakeup of great war,
Construction by looting smell flesh and blood,
so never take advantage of power.

Force has to be used and followed with great responsibility,
and war after every other effort have failed,
That which goes against the dharma,
closes as an unnatural end.
This is the way of dharma.

Achieve result, happiness will follow,
Achieve result, pride will follow,
Stick to dharma, glory will follow,
this is the natural way.

***

जब भी आप किसी को सलाह दें,
उसे सलाह दें कि शक्ति केवल अंतिम रास्ता है,
दुनियां जीतने के लिये नहीं है।

जब भी युद्ध होता है खरपतवार, झाड़ियाँ और बंकर उग आते हैं,
बड़े युद्ध की पृष्ठभूमि में लूट और निर्माण होता है,
लूट से निर्माण में रक्त और मांस की गन्ध है,
कभी शक्ति का दुरुपयोग न करें।

शक्ति का उपयोग जरूरी है और उपयोग के बाद की बड़ी जिम्मेदारी,
युद्ध तभी जबकि सारे दूसरे रास्ते असफल हुये,
जो भी धर्म के विरुद्ध जाता है,
अप्राकृतिक अंत को प्राप्त होता है,
यही धर्म का रास्ता है।

सफल हो, प्रसन्नता चली आयेगी,
सफल हो, गरिमा चली आयेगी,
धर्म को थामे रहो श्रेय चला आयेगा,
यही प्राकृतिक तरीका है।

***

One who can stand alone is brave.
For other good weapons are instrument of larger confidence.
Medium weapons are instruments of medium confidence.
Weapons are instrument of fear,
wise men should keep them in access,
and flaunt them occasionally.
Wiseman should use weapons,
only when they have no other choice.
The man of war prefers snatching and acquiring,
The man of war rejoices in victory and delight in killing
Those who rejoice in victory and delight in killing
can never fulfill themselves.
The wise man prefers benevolence,
and victory in war is never a cause for his rejoice,
music and rthym are dear to his heart.
On sad occasion precedence is given to the pity and help,
On happy occasion precedence is given to benevolence,
In the army the general stands on the left,
the commander in chief on the right,
In marriages girl stands on the left,
the boy on the right.
This means the war is conducted like marriage.
The purpose of love and war is to finish the other,
the purpose of love and war is to become one,
therefore they say there is no rule in love and war,
love and war are treated as an extra ordinary event,
that is why victory must be lived,
like life after a marriage.

***

जो अकेला रह सकता है वह साहसी है,
दूसरो के लिये अच्छे हथियार ज्यादा आत्मविश्वास के औजार हैं,
मध्यम हथियार मध्यम आत्मविश्वास के औजार हैं,
ये भय के औजार हैं,
बुद्धिमान व्यक्ति की उन तक पहुंच होती है,
लेकिन वह शायद ही कभी उनका प्रयोग करता है,
बुद्धिमान व्यक्ति को हथियारों का प्रयोग केवल तब करना चाहिये,
जब उनके पास कोई रास्ता न हो।
युद्धप्रेमी लोगों को छीना झपटी अच्छी लगती है,
युद्धप्रेमी लोग जीत से खुश होते और हत्याओं से प्रसन्न होते हैं,
जो ऐसे हैं, वे कभी तृप्त नहीं होते।
बुद्धिमान व्यक्ति को उदारता रुचिकर है,
युद्ध में जीत से वे कभी खुश नहीं होते,
उनके हृदय को संगीत और लय अच्छी लगती है।
खराब वक्त में प्राथमिकता है दया और सहायता,
अच्छे समय में प्राथमिकता है उदारता,
सेना में जनरल बायीं ओर खड़ा होता है,
और कमांडर इन चीफ दायीं ओर,
शादी में लड़किया बायीं ओर खड़ी होती हैं,
और लड़का दायीं ओर,
युद्ध का संचालन शादी की तरह ही किया जाता है।
प्रेम और युद्ध का उद्देश्य दूसरे को समाप्त करना ही है,
प्रेम और युद्ध का उद्देश्य एक हो जाना ही है,
इसलिये वे कहते हैं प्रेम और युद्ध में कोई नियम नहीं होता,
प्रेम और युद्ध असाधारण घटनायें हैं,
इसीलिये जीत के बाद ऐसे जिया जाना चाहिये,
जैसे विवाह के बाद जीवन।

***

The dharma is definite and yet differently defined,
It covers all; yet it is without form.

One must know when to stop and when to act,
Knowing when to stop averts trouble,
knowing when to act brings benefit,
Brave can become Dharmic,
then they would need no more guidance;
all things would take their course,
Once the parts are combined,
it became whole and take another name,
all names submerge into one.
Dharma in the world is like a guide and the cover,
protecting us from head to toe.

***

धर्म निश्चित है फिर भी अलग–अलग तरह से परिभाषित,
यह सर्वसमावेशी है, लेकिन फिर भी रूप के बिना।

जानना चाहिये कि कब सक्रिय होना है और कब रुकना है,
रुकना सीखने से मुसीबतें दूर रहती हैं,
सक्रिय होना सीखने से हित होता है,
साहसी ही धार्मिक हो सकते हैं,
फिर उन्हें और सलाह की जरूरत नहीं,
सभी चीजें अपना रास्ता ले लेंगी।

जैसे ही हिस्से जोड़ दिये जाते हैं,
एक पूर्णता बनती है जिसका अलग नाम होता है,
सारे नाम एक में समाहित हो जाते हैं,
दुनियां में धर्म दिशा निर्देश भी है और वस्त्रों की तरह भी,
यह हमें सिर से पैर तक बचाता है।

***

Knowing others is assumption,

Knowing the self is wisdom.

Understanding others is useless,

Understanding the self is enlightenment.

Caring of others, needs information and patience,

caring of self needs clarity and strength.

He who stays where he is, endures,

he who knows has enough is happy.

Perseverance is a sign of concurrent weakness and future power,

***

दूसरों को जानना तो सिर्फ मान्यता है,

स्वयं को जानना बुद्धिमत्ता,

दुसरों को समझना व्यर्थ है,

स्वयं को समझना विज्ञान।

दूसरों की देखरेख के लिये सूचना और धैर्य चाहिये,

खुद की देखरेख के लिये स्पष्टता और शक्ति,

जो अपनी जगह बना रहता है अथक श्रम करता है,

जो जानता है उसके पास काफी है, प्रसन्न है।

निरंतर लगे रहना वर्तमान कमजोरी और भावी शक्ति का संकेत हैं,

***

The dharma covers everything

From corner to corner,

from top to bottom.

All things depends on it,

It fulfills life purpose silently and makes no claim,

It nourishes everything,

yet it makes no claim to be the lord.

Everything returns to it.

It is not the small,

yet it makes no claim to be great,

It does not show importance,

is therefore truly important.

***

धर्म सर्वसमावेशी है,
एक कोने से दूसरे कोने तक,
सिर से पैर तक,
सारी चीजें इस पर निर्भर हैं।

यह शांति से जीवन उद्देश्य पूरा करता हैं,
और कोई दावा नहीं करता,
यह हरेक चीज का पोषण करता है,
लेकिन इसमें स्वामी होने का कोई भाव नहीं,
हरेक चीज इसी की ओर लौटती है।

यह छोटा नहीं है,
लेकिन बड़े होने का कोई दावा भी नहीं,
यह महत्व नहीं दिखाता,
इसलिये वास्तव में महत्वपूर्ण।

***

All men come to him who keeps the dharma,
For there lie rest, happiness and rhythm,

Description of the dharma,
seems without glory or flavor,
but passerby also get food and shelter.

It can be seen, it can be heard,
It can be used and it can be abused,
but it cannot be exhausted.

***

सारे लोग उसके ही पास आते हैं,
जो धर्म में स्थिर है,
क्योंकि वहीं विश्राम, आनंद और लय है।

धर्म के विवरण, बिना महिमा या अलंकार के हैं,
लेकिन पास से गुजरने वाले को भी,
भोजन और आश्रय मिलता है।

इसे देखा जा सकता है, इसे सुना जा सकता है,
इसका उपयोग और दुरुपयोग हो सकता है,
लेकिन इसको समाप्त नहीं किया जा सकता।

***

Cool and it became solid,
Heat and it became gas.
Ore can be casted, casted can be cut,
Those who receive do not feel like giving,
Those who give, feel like receiving,
These are perception of the nature of things.

Hard and strong rapidly capture soft and weak,
weak and soft slowly overcome hard and strong.
Weaker needs winning to stay,
Strong feels that they can afford to fail.
Leader needs to lead not to follow,
Extra adventure brings catastrophe,
Country’s weapon has to be displayed in veil.

***

ठण्डा किया और ठोस बन गया,

गर्म किया और भाप,

अयस्क को ढाला जा सकता है, और ढाले गये को काटा,

जिन्हें मिलता है वे देना नहीं चाहते,

और जो देते हैं, उन्हें लगता है कि मिल गया,

यही चीजों के स्वभाव की अनुभूति है।

कठोर और मजबूत तेजी से कोमल और मुलायम पर कब्जा कर लेते हैं,

और कमजोर और मुलायम धीरे–धीरे कठोर और मजबूत से जीत,

कमजोरों को बने रहने के लिये जीतने की जरूरत है,

मजबूतों को लगता है कि वे असफल होना सह सकते हैं,

नेताओं को नेतृत्व की जरूरत है अनुगमन की नहीं,

जरूरत से ज्यादा जोखिम महाविनाश लाता है,

देश के हथियारों को पर्दों के भीतर से दिखाया ही जाना चाहिये।

***

Dharma abides in action,

dharma abides in stillness,

King and lords should observe this,

then things would develop naturally,

If Kings and lords desire to act,

they should act according to dharma.

If Kings and lords desire to be still,

they should sit near the sages according to dharma,

from within no desire, without desire everything is.

In this way things are at rhythm,

and everything is being done,

***

धर्म, कर्म में निहित है,
वही स्थिरता में भी,
राजा और स्वामियों को इसका पालन करना चाहिये,
तभी चीजें स्वाभाविक रूप से विकसित होंगी।

अगर राजा और स्वामी कर्म के इच्छुक हैं,
तो धर्मानुसार करें,
अगर राजा और स्वामी मौन के इच्छुक हैं,
तो धर्मानुसार ऋषियों के पास बैठे,
भीतर से कोई तृष्णा नहीं,
तृष्णा नहीं तो सब कुछ है,
इस तरह ही लय है,
और हरेक चीज संलग्न।

***

A truly good man is aware of his goodness,
and is therefore good.
A foolish man is not aware of his foolishness,
and is therefore fool.
A truly good man does his duty,
and enjoys leaving result on almighty.
A foolish man does not perform his duty,
and remain always tense about result.
When a truly kind man does something,
he tries to leave nothing undone.
When a just man does something,
he leaves a great deal to be done.
When a disciplinarian does something,
he wants discipline to be maintained,
resulting in ego clash and unfinished work.
Loose rhythm and become mechanized.
Therefore when dharma is lost, duty is lost, there is goodness
When goodness is lost there is kindness,
When kindness is lost there is justice,
When justice is lost, there are rituals,
Rituals is the dirt of faith and loyalty,
a beginning of differentiation and indifference,
a beginning of confusion and chaos.
Astrology of the future is one part of the dharma,
It is the beginning of work.
Therefore the truly great man dwells on the real, on the goal,
on the flower and the fruit,
on the fruit and the seed,
Therefore accepts the duty and rejects the folly.

***

वास्तव में अच्छा आदमी अपनी अच्छाई के प्रति जागृत है,
तभी वह अच्छा है,
एक मूर्ख आदमी अपनी मूर्खता के प्रति जागृत नहीं,
तभी वह मूर्ख है।
एक वास्तव में अच्छा आदमी अपना कर्म करता है,
और परमात्मा पर परिणाम छोड़कर खुश रहता है,
एक मूर्ख आदमी अपना कर्म नहीं करता,
और परिणामों के बारे में हमेशा चिन्तित रहता है।
जब एक वास्तव में दयालु व्यक्ति कुछ करता है,
तो कुछ भी अनकिया न रहने देने की कोशिश करता है,
जब एक न्यायी व्यक्ति कुछ करता है,
तो वह काफी कुछ करने के लिये छोड़ देता है,
जब एक अनुशासक कुछ करता है,
तो अनुशासन ही उसकी मुख्य चिन्ता होती है,
परिणाम है अंहकार की टकराहट और अधूरा काम।
लय खो दो और मशीन बन जाओ,
लय खो जाती है तो मशीनें आ जाती हैं,
जब धर्म खो जाता है, कर्तव्य खो जाता है, तो अच्छाई बचती है,
जब अच्छाई खो जाती है तो दयालुता बचती है,
जब दयालुता खो जाती है तो न्याय बचता है,
जब न्याय खो जाता है तो कर्मकाण्ड बचता है,
कर्मकाण्ड तो विश्वास और स्वामिभक्ति की गंदगी है,
विभेदीकरण और उदासीनता की शुरुआत,
भ्रम और अराजकता की शुरुआत।
भविष्य की ज्योतिष धर्म का एक हिस्सा है,
यह कार्य की शुरुआत है,
इसलिये वास्तव में महान व्यक्ति को तथ्यों से सरोकार रहता है,
लक्ष्यों से,
फूल और फलों से,
फलों और बीजों से,
इसलिये वह कर्तव्य को स्वीकृत कर तुच्छता को अस्वीकार करता है।
***

These arises from the one,

The sky is whole, the earth is whole,

The sun is whole and the spirit is strong,

The sea is whole and the sand is strong,

The sages are whole and saint is strong,

All these are virtuous arrived from the ones.

Space of sky prevents its falling,

Sincerity of sun prevents planets dying,

Strength of the spirit maintains our life,

Porosity of the sand maintains the water,

Suchness of the saints maintains ethics in us.

Stillness of the sages and working of the saints,

prevent downfall of the humanity,

Sages and saints depend on being aware.

too much success and too much failure are not advantageous.

***

ये चीजें एक में से पैदा होती है,
आसमान पूर्ण है, और धरती भी,
सूर्य पूर्ण है और आत्मा शक्तिशाली,
समुद्र पूर्ण है और इसकी रेत भी शक्तिशाली,
ऋषि पूर्ण है और संत शक्तिशाली है,
ये सभी सद्‌गुणी एक से ही आते हैं।

आसमान का खालीपन इसे गिरने से रोकता है,
सूर्य की निरन्तरता ग्रहों को मरने से बचाती है,
आत्मा की शक्ति हमारा जीवन चलाती है,
रेत की रंध्रता पानी को बनाये रखती है,
संतों की तथाता हममें नीति को बनाये रखती है।

ऋषियों का मौन और संतों के कार्य,
मानवता को गिरने से बचाते हैं,
ऋषि और संत जागृत होने से ही हैं,
ज्यादा सफलता और ज्यादा असफलता अच्छे नहीं।

***

Motion of the dharma is complete,

Way of the dharma is natural.

Every yoni is born of spirit,

Spirit is born out of Allah/Brahma the cosmos.

***

धर्म की गति सम्पूर्ण है,

धर्म का रास्ता प्राकृतिक,

हरेक योनि का आत्मा से जन्म है,

और आत्मा अल्लाह/ब्रह्मा से उत्पन्न।

***

The sages aim at dharma,
The wise understands dharma and practices it diligently.
The intelligent argues of the dharma,
and give it thought now and then,
and then there are delayed gentlemen,
who hear of the dharma and make laughs aloud.
If there were no aim, no understanding,
no argument and no laughter,
the dharma would not be what it is.
Hence it is said,
Straight path reaches you faster,
argument delays the journey,
and making fun takes time to settled on.
Highest seems blessing,
wisdom seems well wishes,
laughter seems effort,
Real seems tough,
Perfect seems fantasy,
square seems circular,
Great talent ripens in time.
Highest notes, require highest attention,
The greatest form is infinitely flexible,
The dharma is all encompassing,
The dharma alone nourishes and
sustain everything.

***

ऋषियों का लक्ष्य धर्म है,
बुद्धिमान इसे समझते और लगन से इसका अभ्यास करते हैं,
बौद्धिक इसके बारे में तर्क–वितर्क करते हैं,
और इस पर जब तब विचार करते हैं,
और फिर विलम्बित सम्भ्रांत भी हैं,
जो धर्म के बारे में सुनते और जोर से हंसते हैं।
अगर कोई लक्ष्य कोई समझ न होती,
कोई बहस और कोई हास्य नहीं होता,
तो धर्म वह न होता जैसा कि है।
इसलिये कहा गया,
सीधे रास्ते जल्दी पहुंचते हैं,
बहस से यात्रा लम्बी हो जाती है,
और मजाक करने से फिर से स्थिर होने में समय लगता है।
उच्चतम आर्शीवाद देता लगता है,
बुद्धिमत्ता शुभाकांक्षा,
हास्य प्रयास,
वास्तविक कठोर,
परिपूर्ण दिवास्वप्न,
चौकोर गोल दिखाई देता है,
महान प्रतिभायें वक्त से परिपक्व होती हैं,
मधुरतम स्वर उच्चतम ध्यान मांगते हैं,
महानतम रूप अनंत रूप से लचीला है,
धर्म समावेशी,
केवल धर्म पोषण और संधारण करता है।

***

Dharma produced by one,

Dharma produced many,

Dharma produced eighty four lakh yoni,

Each yoni carries femine and embrace masculine,

they achieve rhythm by combining both forces

Common man hates to be common man, or servant,

but this is the way great works in public,

most maintains by not losing, and great gains by losing,

What they say is true,

Adharmic die unnaturally

Dharmic die naturally

This is essence of saying.

***

एक से पैदा हुए धर्म ने,
बहुतों को पैदा किया,
चौरासी लाख योनियों को,
हरेक योनि स्त्रियत्व को ले चलती और पुरुषत्व का आलिंगन करती,
और दोनों शक्तियों के मिलन से लय प्राप्त करती।

आम आदमी आम आदमी होने से या सेवक होने से घृणा करता है,
लेकिन इसी तरह वह जन में महान कार्य करता है,
अधिकांश हानि से बचकर बने रहते हैं,
और महान खोकर भी पाते हैं,
वे सत्य कहते हैं,
अधार्मिक अप्राकृतिक मरते हैं,
और धार्मिक प्राकृतिक रूप से,
यही कथन का सार है।

***

The hardest thing provides support to the softest thing
Subtlest thing overcomes the all,
The spirit creates room where there is none,
hence we know the value of spirit.
Teaching by action and action by doing,
are understood by one and all.

***

सबसे कड़ी चीज सबसे कोमल को सहारा देती है,

सबसे सूक्ष्म चीजें सब पर भारी पड़ती हैं,

आत्मा कहीं भी जगह खोज लेती है,

इस तरह हमें इसका मूल्य ज्ञात होता है,

कार्य द्वारा शिक्षण सबको समझ में आता है।

***

Fame or wealth, which matter more,
wealth or health, which is more precious,
health or self which is more desirable.
who is attached to virtues suffer much,
who is attached to self-suffers none,
who saves can use it in winter,
A self made man is never unhappy,
who knows when to stop and when to act,
finds himself in time and remains vibrant.

***

प्रसिद्धि या सम्पदा, ज्यादा अर्थवान क्या है,
सम्पदा या स्वास्थ्य, ज्यादा मूल्यवान क्या है,
स्वास्थ्य या आत्म, ज्यादा वांछित क्या है,
जो गुणों से आसक्त है कष्ट पाता है,
जो आत्म से आसक्त है बिना कष्ट के है,
जो बचाता है उसके कठिन समय में काम आता है,
आत्मनिर्मित मनुष्य कभी दुखी नहीं,
जो जानता है कब रुकना और कब काम करना,
समय में खुद को खोज लेता है और जीवन्त है।

***

From understanding begins the transcendence,
From transcendent begins real accomplishment,
From great accomplishment begins the great work,
From the great work begins collective growth,
From collective growth begins the great country,
From the great country begins the growth of other nations,
From the great nations begin the societal development,
Usefulness of these cannot be under estimated.

Great straightness is circular, great fullness is spherical
Great eloquence is treating like self, great wisdom is simplicity

Movement raises temperature, stillness balances heat
Stillness and movement set Maya to continue.

***

समझने से अतिक्रमण शुरू होता है,
अतिक्रमण से वास्तविक सफलता,
महान सफलता से महान कार्य शुरू होता है,
महान कार्य से सामूहिक प्रगति होती है,
सामूहिक प्रगति से महान देश का निर्माण,
महान देश के निर्माण से दूसरे देशों की प्रगति,
महान राष्ट्रों से सामाजिक विकास शुरू होता है,
इनकी उपयोगिता कम नहीं है।

महान सीधा रास्ता वृत्ताकार है,
महान परिपूर्णता गोलाकार,
महान वक्त्रता स्वयं की तरह मानना,
महान बुद्धिमत्ता सरलता है।

गति से तापमान बढ़ता है, निस्तब्धता ऊष्मा को संतुलित करती है,
निस्तब्धता और गति माया को जारी रखते हैं।

***

When dharma is practiced,

time passes in food, fashion, entertainment and environment,

When Adharma prevails,

time passes in fraud and fratricide, envy and enigma.

There is no greater sin than Adharmic,

no greater curse than being unhappy,

no greater misfortune than younger dying in front of old,

Therefore who understands this,

is enough for him to be dharmic.

***

जब धर्म का व्यवहार होता है,
समय भोजन, फैशन, मनोरंजन और प्रकृति में गुजरता है,
जब अधर्म बढ़ता है,
समय धोखाधड़ी, जलन और साथियों की हत्या में गुजरता है।

अधार्मिक होने से बड़ा पाप नहीं,
दुखी होने से बड़ा अभिशाप नहीं,
बुजुर्गों के सामने जवानों के मरने से बड़ा दुर्भाग्य नहीं,
इसलिये जो यह समझता है,
उसके धार्मिक होने के लिये यह पर्याप्त है।

***

By going outside,
you may know many parts of the world.
By looking through the telescope,
you may see many a star.
As you move,
you loss contact from your near ones,
Further you go
you may lose contact from your own being.

Therefore Sages see by looking into inner self,
reaches by traveling inside his own being,
and achieve by working on the self.

***

बाहर जाकर,
तुम दुनियां के कई हिस्सों को देख सकते हो,
दूरवीन से देखकर,
तुम एक सितारा देख सकते हो,
लेकिन दूर जाने से,
नजदीकियों से सम्पर्क कम हो जाता है,
और बहुत दूर तुम जाते हो,
तो स्वयं अपने आपसे सम्पर्क भी।

इसलिये ऋषि अपने भीतर देखकर देखते हैं,
अपने भीतर यात्रा कर पहुंचते हैं,
और खुद पर काम करके प्राप्त करते हैं।

***

In the pursuit of learning,
information from others is acquired.
In the pursuit of dharma,
Knowledge of self is acquired.

As per the knowledge of others,
less and less is done.
When nothing is done as per others
real work start

World cannot be ruled as per the saying of others,
world cannot be ruled by the doing of others.
The world is ruled by getting things done,
as per the dharma.

***

ज्ञान की खोज में,

दूसरों से मिली सूचनायें इकट्ठा हो जाती हैं,

धर्म की खोज में,

स्वयं का ज्ञान मिलता है,

दूसरों के ज्ञान के आधार पर,

कम से कम किया जाता है,

जब दूसरों के हिसाब से कुछ नहीं किया जाता,

वास्तविक कर्म शुरू होता है।

दूसरों के कहे अनुसार दुनिया पर शासन नहीं हो सकता,

दूसरों के करने से दुनिया पर शासन नहीं हो सकता,

दुनिया पर शासन तो केवल करके ही होता है,

धर्मानुसार।

***

The sage has wisdom of his own and is aware,

Generally we are good to the people,

who are good to themselves,

We can also good to the people,

which are delayed good man.

Great have faith in people,

who are faithful to themselves,

Great also have faith in people,

who are not evil forces,

The sage is sage, to the world sage seems full

People look to him, listen to him and obey to him.

***

ऋषि के पास स्वयं का मस्तिष्क है और वह जागृत है,
आमतौर पर हम उन लोगों के लिये अच्छे होते हैं,
जो अपने लिये अच्छे हैं,
हम ऐसे लोगों के लिये भी अच्छे हो सकते हैं,
जो देर से अच्छे होने वाले हैं।

महान लोगों को ऐसे लोगों में विश्वास होता है,
जिन्हें अपने ऊपर विश्वास है,
महान लोगों को ऐसे लोगों में भी विश्वास होता है,
जो बुरी ताकतें नहीं हैं।

ऋषि ऋषि है, दुनिया के लिये सम्पूर्ण,
लोग उनकी ओर देखते हैं,
उनकी सुनते हैं और उनका आज्ञा पालन करते हैं।

***

Thirty three percent are followers of life,
Thirty three percent are follower of death,
And men just passing time from birth to death are
also thirty three percent.
Why is this so?

Because ninety nine percent lives on the gross level,
Rest one percent belongs to those who can stand,
who can walk on their feet,
and can live on without fear of near, or dear.
Wise will not be wounded by words,
for in him emotion cannot paralyze him,
for in him system has no place to use their claws,
and for in him law has no place to pierce.
Why is this so?
Such carry their coffin and others life with him.

***

एक तिहाई जीवन के आराधक हैं,
एक तिहाई मृत्यु के,
और एक तिहाई सिर्फ समय गुजारने वाले भी,
ऐसा क्यों है ?

क्योंकि निन्यानबे प्रतिशत तो उथले–उथले ही जीते हैं,
बचे हुये एक प्रतिशत ही खड़े हो सकते हैं,
अपने पैरों पर चल सकते हैं,
और निकटस्थों के प्रियजनों के भय के बिना जी सकते हैं।

बुद्धिमान शब्दों से आहत नहीं होंगे,
क्योंकि भाव उन्हें जड़ नहीं बना सकते,
क्योंकि उनमें प्रणाली के नाखूनों के लिये कोई जगह नहीं,
और उनमें न्याय के घुसने के लिये कोई जगह नहीं,
ऐसा क्यों है ?

क्योंकि ऐसे अपना कफन साथ रखते हैं,
और दूसरे उनके साथ जीते हैं।

***

All things arise from nature,
Formed by energy,
Shaped by movement of energy,
and encompassed by dharma,
Thus the eighty four lakh yoni,
respect nature and abide by Dharma.
Respect of nature and respect of Dharma are commanded,
they do so as it in nature of things.

Therefore all thing arise from nature,
It is dharma which develops, protect, and love,
It is dharma which creates and sustains,
It is dharma which give them freedom,
give them dream and vision and give them insight and foresight.
Thus make people strive, work, and research.

That is how dharma making people creditworthy and visionary.
This is the primal.

***

सब चीजें प्रकृति से आती हैं,
ऊर्जा से बनती हैं,
ऊर्जा की गति से रूप लेती हैं,
और धर्म से घिरी होती है,
इस तरह चौरासी लाख योनियां,
प्रकृति का सम्मान करती हैं और धर्म का पालन,
प्रकृति का सम्मान और धर्म का सम्मान आदेश हैं,
क्योंकि यही वस्तुओं का स्वभाव है।

इस तरह सारी चीजें प्रकृति से आती हैं,
और धर्म बढ़ाता रक्षा करता और प्रेम करता है,
धर्म ही सृजनकर्ता और संधारणकर्ता है,
धर्म ही स्वतंत्रता देता है,
यही स्वप्न और दृष्टि,
यही अंतर्दृष्टि और भविष्यदृष्टि,
यही लोगों को प्रयास कर्म और शोध में लगाता है।

इस तरह धर्म लोगों को विश्वसनीय और दृष्टि सम्पन्न बनाता है,
यह बुनियाद है।

***

The beginning of the universe,
are the parents of all things.
Knowing the parents, we know its children
Knowing the sons, yet attached with parents
maintains the originality

Desire creates sensation,
sensation creates vibration,
when reaction of senses bypasses the heart,
there comes the need of bypass surgery,
hence great allows senses to get purified by the heart,
before they react to the senses.
Speech passes through heart,
Provide purity to speech.

Strength is strength,
Seeing the distant is insight,
moving as per goal is foresight,
Have the insight, have the foresight.
This is learning happiness.

***

सारी चीजों के माता–पिताओं से विश्व का सृजन हुआ,
माता–पिताओं को जानकर हम बच्चों को जानते हैं,
अपने अभिभावकों से अभी भी जुड़े पुत्रों को जानने से,
मौलिकता बनी रहती है।

इच्छाओं से सम्वेदनायें होती हैं,
सम्वेदनाओं से कम्पन,
जब कम्पन हृदय से विलग गुजर जाते हैं,
तो बाईपास शल्य चिकित्सा की जरूरत होती है,
इसलिये महान लोग अपनी
सम्वेदनाओं के प्रतिउत्तर के पूर्व,
सम्वेदनाओं को हृदय से शुद्ध करते हैं,
जब वाणी हृदय से गुजरती है,
तो पवित्र हो जाती है।

शक्ति शक्ति है,
दूर तक देखना अंतर्दृष्टि है,
लक्ष्य के अनुरूप गति भविष्यदृष्टि,
अंतर्दृष्टि रखो भविष्यदृष्टि रखो,
इसी तरह प्रसन्नता सीखी जाती है।

***

Only powerful can walk on the main road,
and others fear them,
For weaker keeping to the main road seems easy,
but for them it is easiest way to get beaten and cheated.
Therefore main road is for the main,
and side road is for the subjects.

When the country side is arrayed in splendor,
the fields are full of flowers,
and the granaries are surplus,
then few have to wear gorgeous clothes,
carry sharp sword,
and indulge them in frontier to maintain freedom,
to protect the possession, to maintain the law and order
so that people can live happily.
They are robber's avoiders, and responsibility realisers.

***

केवल शक्तिशाली मुख्य मार्ग पर चलते हैं,
और दूसरे उनसे डरते हैं,
कमजोरों को राजमार्ग पर चलना आसान लगता है,
लेकिन उनके लिये यह पिटने और ठगे जाने का सबसे सरल मार्ग है,
इसलिये राजमार्ग शक्तिशालियों के लिये है,
और जनपथ मातहतों के लिये।

जब गाँव गाँव महिम में प्रकाशित हो,
खेत फलते फूलते हुये,
और गोदाम भरे हुये,
तब कुछ को तीक्ष्ण तलवार उठाना पड़ती है,
और उन्हें सीमाओं पर स्वतंत्रता बनाये रखने के लिये लगाना होता है,
धन सम्पत्ति की रक्षा, न्याय और व्यवस्था की स्थापना,
ताकि लोग खुशी से जी सकें,
ये डकैतों से बचाने वाले, यही जिम्मेदारी समझने वाले हैं।

***

Firmly established flexible systems last long,
just system stays longer,
these are owned by subjects,
these are honored by subjects.
These are projected by ruler,
and these are protected by subjects
Cultivate freedom in yourself,
freedom will be real.
Cultivate freedom in family,
freedom will be abound,
Cultivate freedom in city,
freedom will grow.
Cultivate freedom in the nation,
freedom will be abundant.
Cultivate freedom in the world,
freedom will be everywhere.
Therefore look at the self as self,
See the family as family,
See the city as city,
See the nation as nation,
See the world as world,
How do we know the world is like this?
close your eyes and see.

***

मजबूती से स्थापित लचीली व्यवस्था लम्बी चलती है,
न्यायपूर्ण व्यवस्था लम्बी चलती है,
इन्हें लोग अपना मानते हैं,
इनका लोग सम्मान करते हैं,
शासक इन्हें बनाते हैं,
लोग इनकी हिफाजत करते हैं।
अपने में स्वतंत्रता विकसित करो,
वह वास्तविक होगी,
परिवार को स्वतंत्रता में विकसित करो,
स्वतंत्रता विस्तृत होगी,
शहर में स्वतंत्रता विकसित करो,
स्वतंत्रता बढ़ेगी,
देश में स्वतंत्रता विकसित करो
स्वतंत्रता प्रचुरता में होगी,
दुनिया में स्वतंत्रता विकसित करो,
यह हर ओर होगी।
इस तरह खुद को खुद की तरह,
परिवार को परिवार की तरह,
शहर को शहर की तरह,
देश को देश की तरह,
और दुनिया को दुनिया की तरह देखो।
हम कैसे जानते है कि दुनिया ऐसी है?
अपनी आँखें बंद करो और देखो।

***

Who is filled with possibilities is like a newborn child,
It is blessed by god,
It is protected by parents all the time, as,
wasp and serpents can sting him,
Beast can pounce upon him,
insects and flies can attack him.
His grip is firm but momentary,
His bones are soft, his muscles weak,
He has not experienced,
And indulge in self-play.
He screams, eat, and sleep,
and clean the stomach.
This is perfect for growth.

Preparing body is growth,
arranging articles is development,
It is wise to act in time,
Controlling the breath causes confusion,
If energy is not flows properly,
restriction, construction and early exhaustion follow.
Whatever is contrary to it, will not work.

***

सम्भावनाओं से भरा हुआ नवजात शिशु की तरह,
प्रभु से आर्शीवाद पाता है,
हर समय अभिभावकों से संरक्षित,
मधुमक्खियां और सर्प कहीं डंक न मार दें,
जंगली जानवर टूट न पड़े,
कीड़े और मक्खियां हमला न कर दें,
उसकी पकड़ मजबूत है लेकिन क्षणभर को,
हड्डियां कोमल, पेशिया कमजोर,
अनुभवहीनता,
वह खुद के खेल में खोया है,
वह रोता खाता और सोता है,
और अपने को साफ करता है,
बढ़ने के लिये यही सर्वोत्तम है।

शरीर की तैयारी वृद्धि है,
चीजों को व्यवस्थित करना विकास,
समय पर ही काम करना बुद्धिमानी है,
सांस पर नियंत्रण भ्रम पैदा करता है,
अगर ऊर्जा का संचार उचित न हो,
तो रूकावट सिकुड़न और जल्दी ही थकान आती है,
जो प्रकृति के विपरीत है, कार्य नहीं करता।

***

Those who know can only talk,

those who do not know chatter.

Care for your mouth, sharpen the senses,
Maintain your sharpness, solve your problem,
Be at one with the environment.
Who has achieved this state, is concerned
with partners and counter partner
with evil and good,
with humiliation and honour.
This is the correct state of man.

***

केवल वे जो जानते हैं, बात कर सकते हैं,
जो नहीं जानते, केवल बकवास।

मुंह की देखरेख करो, सम्वेदनाओं को तीव्र करो,
संवेदनाओं को तीव्र रखो, समस्याओं का सुलझाओ।
वातावरण से एक बनो।

जिसने इस अवस्था को प्राप्त कर लिया,
उसका सरोकार है,
सहयोगियों से और विरोधियों से,
अच्छाई और बुराई से,
अपमान और सम्मान से,
यही मनुष्य की सही दशा है।

***

Rule a nation like face rule the body.
Defend a country like reflex action saves the body,
become master of the world by taking side of dharma
How do we know that this is so?
Because, more the eating or less the eating,
there is the poorer body.
The faster the eating, The slower the eating,
there is indigestion.
Extra hygienic the food and specialized the food,
There is an appearance of strange disease.
Extra the fasting and extra the regulation,
There is hyperactivity or lethargy in the body.
Similar is the case of country,
more the laws, higher the restriction, larger the weapons,
clever the tricks, abundant the rule and regulation,
there are problems and problem to citizens.
Therefore the wise says;
Take proper diet and body remains fit and healthy,
Maintain rhythm and body remains flexible,
Listen to the body follow the heart, use the head,
and enjoy simple and happy life.
same is the rule for governance of the country.

***

देश पर ऐसे शासन करो, जैसे सिर शरीर पर।
देश की वैसे रक्षा करो जैसे प्रतिसंवेदन शरीर की,
धर्म की ओर होकर दुनियां के स्वामी बनो,
हम कैसे जाने कि ऐसा ही है ?
क्योंकि, ज्यादा खाओ या कम,
शरीर कमजोर होता है,
जल्दी खाओ या धीरे,
अपच होती है,
जरूरत से ज्यादा स्वच्छ भोजन या विशेष भोजन,
विचित्र बीमारियां आ ही जाती हैं,
ज्यादा उपवास या ज्यादा नियंत्रण,
शरीर में बेचैनी या आलस्य छा ही जाता है।
ऐसा ही देश भी है,
ज्यादा कानून, ज्यादा नियंत्रण, ज्यादा हथियार,
ज्यादा चालाकी,नियमों और प्रावधानों की बहुतायत,
ये बस नागरिकों के लिये समस्यायें ही समस्यायें है।
इसलिए बुद्धिमान कहते हैं,
उचित आहार लें और शरीर स्वस्थ और सामर्थ्यवान बनता है,
लय बनाये रखें और शरीर लचीला बना रहता है,
शरीर को सुने, हृदय का अनुशरण करे, दिमाग का उपयोग करे,
और सरल और प्रसन्नचित्त जीवन का आनंद लें,
यही देश के संरक्षा, सुरक्षा और सरकार के लिए है।

***

When the country is ruled with awareness,
the people are simple,
When the county is ruled without responsibility,
People break law with impunity.

Suffering turns men inward,
happiness turns men outward.
Suffering when reaches to soul,
provides continuous happiness to heart.
Sages suffer for humanity,
and always remain connected with soul.
Therefore country working under the
feet of sages, suck less and provide more.

Sages know what the future hold.
Sages are aware and active, powerful and pious,
country ruled by sages, have divine aristocracy,
In divine aristocracy,
there is all-round happiness in and around the country.

***

जब देश का जागरूकता से शासन होता है,
लोग सरल रहते हैं,
जब देश का बिना जिम्मेदारी के शासन होता है,
लोग बिना पछतावे के कानून तोड़ते हैं।

दुख से मनुष्य भीतर जाता है,
आनंद से मनुष्य बाहर,
दुख जब आत्मा तक पहुंचा देता है,
तब हृदय में लगातार आनंद होता है,
ऋषि मानवता के लिये कष्ट पाते हैं,
और हमेशा आत्मा से जुड़े रहते हैं,
इसलिये ऋषियों के चरणों के नीचे कार्यरत देश,
चूसता कम है देता ज्यादा।

ऋषियों को मालूम हैं कि भविष्य में क्या छिपा है,
वे जागृत है और सक्रिय, शक्तिशाली और पवित्र,
ऋषियों के शासन में देश में दैवीय अभिजात्य होता है,
और होती है चारों ओर प्रसन्नता।

***

Who accommodate others, are entitled to accumulate,

who are entitled to accumulate, will have to collect the taxes,

who are entitled to collect the taxes,

will have to provide safety, security and basic services,

Those who do so with responsibly and sincerely are fit to rule.

Who have deep roots can go high,

who have deeper and stronger roots,

who have flexible and firm shoots

stands firm and last long.

Roots of sages is rooted with mother earth,

and shoots of sages is stationed with father sky,

This is the mother principle of ruling.

***

जो दूसरों को शामिल करते है, संचय के अधिकारी हैं,
जो संचय के अधिकारी है, उन्हें कर लेने होगें,
जो कर लेने के अधिकारी है,
उन्हें सुरक्षा और बुनियादी सेवायें देनी होगी,
जो जिम्मेदारी से ऐसा करते हैं वे शासन के लिये योग्य हैं।

जिनकी गहरी जड़ें हैं वे ही ऊपर जा सकते हैं,
जिनकी जितनी गहरी और मजबूत जड़ें,
जिनके जितने लचीले, और मजबूत तनें,
वही मजबूती से और लम्बे समय चल सकते हैं,
ऋषियों की जड़ें धरती माँ के साथ एक हैं,
और उनके तनें पिता आकाश के साथ,
यही शासन का मूल का सिद्धांत है।

***

Ruling the country can best be told by ruler.

Ruling the ruled is like preparing the food.

To avoid the virus and bacteria,

maintain cleanliness in the kitchen.

To ward off the thugs and cheats,

maintain cleanliness of cooks and attendants.

Select the raw to have the dish,

follow the recipe and cook to the optimum,

Serve the food and fill the belly,

put on the cloth and bowel the movement.

This is so for ruling the country.

***

देश के शासन के बारे में शासक सबसे अच्छा बता सकता है,
शासन चलाना भोजन पकाने जैसा है,
वायरस और बैक्टीरिया से बचाव के लिये,
रसोई में स्वच्छता के लिये,
ठगों और धोखेबाजों को दूर रखने के लिये,
रसोइयों और सहायकों की स्वच्छता बनाये रखें,
भोजन के लिये कच्ची सामग्री का चयन करें,
विधि पूर्वक चीजें मिलायें और उचित पकायें,
भोजन परोसें और पेट भरें,
कपड़े पहने, घूमें और पेट खाली करें,
यह देश के शासन को चलाने के लिये हैं।

***

A great country is a great country.
It has clouds to rain, Mountains to snow,
Valleys to store, plains to flow the river,
Deserts to see the sky, forests to see the wild,
Ocean to cloud, sea to see the world,
and sages to maintain the eco system.

Therefore that country remains great country,
where venture and adventure continue.
Smaller country if does not expend,
then its people will try to disintegrate it.
In the world of fishes, larger eats smaller,
and in the world of beast one eats many.

Therefore sages maintain and sustain,
their boundaries their environment,
and looks the world as a big family.

***

एक महान देश, एक महान देश है,
इसमें बरसने को बादल हैं, जमने को पहाड़,
इकट्ठा करने के लिये बादियां, और नदियों के लिये मैदान,
आसमान देखने के लिये रेगिस्तान और वन्य जीवन के लिये वन,
बादल बनने के लिये समुद्र, और दुनियां देखने के लिये महासागर,
पर्यावरण को बनाये रखने के लिये ऋषि।

इसलिये वह देश महान देश बना रहता है,
जहां खोज और साहसिक अभियान चलते हैं,
छोटा देश अगर यह विस्तार नहीं पाता,
तब इसी के लोग इसे तोड़ते हैं,
मछलियों की दुनियां में बड़ी छोटी को खाती है,
और भेड़ियों की दुनियां में एक कई को।

इसलिये ऋषि बनाये रखते हैं,
अपनी सीमायें अपना पर्यावरण,
और दुनियां को एक बड़ा परिवार की तरह देखते हैं।

***

Dharma is the cover of all things.

It is the cover of the good man,

and it is the cover of the bad man,

bad man is delayed good man,

and good man is delayed saint.

Therefore on the day when leader is crowned,

the minister and army chief are stalled,

do not send a gift to him,

do not offer your free services to him,

but pray the god,

and request him to behave as per dharma.

Why does everyone like the dharma so much at first?

Because by dharma everyone gets, what they seek,

Pardon when they sin,

and appreciation when they perform.

***

धर्म सब चीजों को आवृत करता है,
यह अच्छे आदमी को आवृत करता है,
यह बुरे को भी आवृत करता है,
बुरा आदमी देर से बनने वाला अच्छा आदमी है,
और अच्छा आदमी देर से बनने वाला संत।

इसलिये जिस दिन नेता को मुकुट पहनाया जाता है,
मंत्रियों और सेनाध्यक्ष की स्थापना होती है,
उन्हें भेंट मत भेजो,
उनको अपनी अपनी निःशुल्क सेवायें प्रस्तुत न करो,
बल्कि प्रभु से प्रार्थना करो,
और उनसे धर्मानुरूप व्यवहार करने का निवेदन करो।

हरेक कोई धर्म को इतना क्यों चाहता है ?
क्योंकि धर्म से ही हर किसी को अपना इष्ट मिलता है,
पाप की क्षमा, और उपलब्धियों पर सराहना।

***

In the world deeds which can be done are not difficult,

In the world deeds which can be done require effort,

In the world deeds which cannot be done are serene,

In the world deeds which cannot be done require serenity,

taking things heavily make you sit down.

taking thing justly makes you move on.

these are required to move on in life.

these are required to enjoy on in life.

work, act and action require continuity,

leaving the result to nature gives the best result.

Greatness is given by nature,

maintained by meditation.

Promises not kept make you past,

Promises kept make you move on,

Therefore evil cannot escape,

and sages won't claim.

***

दुनियां में जो कार्य किये जा सकते हैं, वे कठिन नहीं होते,
दुनियां में जो कार्य किये जा सकते हैं, उनमें प्रयास लगता है,
दुनियां में जो कार्य नहीं किये जा सकते, पवित्र होते हैं,
दुनियां में जो कार्य नहीं किये जा सकते, उनके लिये पवित्रता जरूरी।

काम को भारी समझो तो तुम बैठ जाओगे,
जितने को उतना समझो तो तुम चलते रहोगे,
चलते रहने के लिये यह जरूरी है,
जीवन जीने के लिये यह जरूरी है।

कार्यों और गतिविधियों के लिये निरन्तरता जरूरी है,
फल प्रकृति पर छोड़ देने के परिणाम सर्वोत्तम।

महानता प्रकृति प्रदत्त है,
ध्यान से बनी रहने वाली,
न पूरे किये गये वादे तुम्हें इतिहास बना देते हैं,
पूरे किये गये वादे वर्तमान।
इसलिये बुरा बच नहीं सकता,
और ऋषि दावा नहीं करते।

***

A large tree is hidden in a tiny seed,
Large numbers of seeds are present in a single tree,
prayer is personal, planning is private,
A single leaf cannot fall, without the permission of whole tree,
therefore performance is collective affair
A large fire is hidden in tiny spark,
A large number of sparks are present in a single fire,
Spark is secret affair, fire is collective affair
People in handling affair, often fail at the end,
People in changing stage, often fail at the threshold,
to negotiate the stage, to cross the threshold,
to overcome the inertia, to overcome the latent character,
extra energy is required, extra efforts are required.
All good things are need to be protected,
All bad things are need to be prohibited,
It is easy to break things in the beginning,
it is easy to scatter things in the beginning,
Therefore wise put extra care in the beginning
wise put extra effort during the culmination,
value the efforts that are hard to put,
value the care that are hard to get.
The one who is non-aligned will fail,
The one who is isolated will lose,
Therefore, carry the karma, carry the Dharma
Therefore sages say be watchful,
Protect the good, prosper the wise,
Check the juvenile, kill the evil,
respect the efforts, and carry their team,

***

छोटे से बीज में विशाल वृक्ष छिपा होता है,
अकेले पेड़ में अनगिनत बीज,
प्रार्थना व्यक्तिगत है, योजना निजी,
पूरे पेड़ की अनुमति के बिना अकेली पत्ती भी नहीं गिरती,
इसलिये उपलब्धि सामूहिक।
छोटी सी चिन्गारी में बड़ी आग छिपी रहती है,
एक अकेली आग में अनगिनत चिन्गारियां,
चिन्गारी गुप्त है, और आग सामूहिक।
कामकाज को देखते लोग अक्सर अंत में चूक जाते हैं,
परिवर्तन की अवस्था में लोग अक्सर,
ठीक उड़ान लेने से पहले चूक जाते हैं,
अवस्था को बदलने में, ठीक उड़ान भरने में,
जड़ता से पार पाने में, छिपे हुये चरित्र से उबरने में,
अतिरिक्त ऊर्जा चाहिये, अतिरिक्त प्रयास चाहिये।
सभी अच्छी चीजों को संरक्षण की जरूरत है,
सभी बुरी चीजों को रोकने की जरूरत है,
शुरुआत में चीजों को तोड़ना आसान है,
शुरुआत में चीजों को बिखेर देना आसान है,
इसलिये बुद्धिमान शुरुआत में ज्यादा सतर्कता रखते हैं,
इसलिये बुद्धिमान अंतिम छोर पर ज्यादा प्रयास करते हैं,
कठिनाई से किये जाने वाले प्रयास का मूल्य समझो,
मुश्किल से मिलने वाली देखभाल का मूल्य समझो,
गुटों से अलग असफल हो जायेगा,
अलग–थलग हो गया हार जायेगा,
इसलिये कर्म को थामों, धर्म को थामों।
इसलिये ऋषि कहते हैं ध्यानपूर्वक हम,
अच्छे का संरक्षण करें, बुद्धिमानी को बढ़ायें,
बचकानेपन को रोकें, बुराई का संहार करें,
प्रयासों को सम्मान करें और समूह को लेकर चलें।

***

Faith and procreation are innate in the nature

Those who know the dharma,

practice it to remain afresh and aglow,

Why is it so hard to rule?

Because people and ruler forget that,

Innocent calf drinks milk, and

clever crow eats cow dung.

Because people and ruler forget that,

materialists try to complicate the rule

and rebel tries to burn the rule.

Because people and ruler forget that,

ordinary people work out of selfishness and fear,

wise people work out of faith and mutual trust.

These are the primal virtues; these are deep and far,

these lead all things toward the dharma.

***

आस्था और प्रजनन प्रकृति में निहित है,
जो धर्म को जानते हैं,
ताजे और प्रकाशित रहने के लिये इसका व्यवहार करते हैं।

शासन करना इतना कठिन क्यों है?
क्योंकि लोग और शासक यह भूल जाते हैं, कि
भोला बछड़ा दूध पीता है और
सयाना कौआ गोबर खाता है,
भौतिकवादी नियम को जटिल बना देते हैं,
और विद्रोही तो इसे जलाने का प्रयास करते हैं।
क्योंकि लोग और शासक यह भूल जाते हैं, कि
सामान्यजन स्वार्थ और भय से काम करते हैं, और
बुद्धिमान व्यक्ति आस्था और आपसी भरोसे से कार्य करते हैं।

ये प्राचीनतम गुण हैं, ये गहरे और दूर हैं,
यही सब चीजों को धर्म की ओर ले जाते हैं।

***

Below the land there is water,

below the water there is land,

Sea is the master of all water

Clouds come from here,

Therefore rivers terminate here.

Those who guide the people,

They must give and be like reservoir.

Those who lead the people,

must be like river.

When one stand behind the people,

in joy, in crisis and do not leave them alone to die,

people feel obliged, when one reign in this way,

people devote their time for country prosperity,

people dedicate their life to protect their motherland.

***

धरती के नीचे पानी है,
पानी के नीचे धरती,
समुद्र सारे जल का स्वामी,
बादलों का स्त्रोत,
इसलिये ही नदियां यहां लीन होती है।

जो लोगों को दिशा देते हैं,
उन्हें समुद्र की तरह होना चाहिये,
जो लोगों को नेतृत्व देते हैं,
उन्हें नदियों की तरह होना चाहिये।

जब कोई लोगों के पीछे खड़ा रहता है,
तो खुशी में और विपत्ति में उन्हें अकेला मरने को नहीं छोड़ता,
लोग कृतज्ञ होते हैं, जब कोई इस तरह राज्य करे,
और तब लोग देश की समृद्धि के लिये अपना समय लगाते हैं,
लोग अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिये अपनी जान देते हैं।

***

Everyone under the sun says,
that my religion is great and beyond compare.
Because these religions are great, they seems different,
if these religion were not different,
these would have vanished long ago.

three measures which can be hold and kept.
The first is freedom,
the second is sacrifice,
and the third is awareness .
From freedom comes responsibility,
from sacrifice comes service to the seniors,
from awareness comes the eco - the economy, the environment.

Men want freedom but forget responsibility,
men want support but forget sacrifice,
and men try to be at the top but forget the awareness.
This is certain failure.
This is not the way of dharma;
Anyone against the dharma
cannot be happy and will not last long.

***

सूरज के नीचे हरेक कोई,
कहता है कि उसका धर्म महान है अतुलनीय,
चूंकि ये धर्म महान है, इसलिये वे अलग लगते हैं,
अगर वे अलग न होते तो,
कब के लुप्त हो जाते।

तीन पैमाने हैं, थामने और बनाये रखने योग्य,
स्वतंत्रता पहला है,
बलिदान दूसरा,
और जागरूकता तीसरा।
स्वतंत्रता से जिम्मेदारी आती है,
बलिदान से वरिष्ठों की सेवा,
और जागरूकता–से अथर्व, अर्थव्यवस्था और वातावरण।

मनुष्य स्वतंत्रता चाहता है और जिम्मेदारी को भूल जाता है,
मनुष्य सहारा चाहता है लेकिन बलिदान को भूल जाता है,
मनुष्य शीर्ष पर रहना चाहता है लेकिन जागरूकता का भूल जाता है,
यह तो निश्चित असफलता है,
यह तो धर्म का मार्ग नहीं,
कोई भी धर्म विरुद्ध प्रसन्न नहीं रह सकता,
लम्बा नहीं चल सकता।

***

Soldier stands for security, cannot be violent,
Fighter fighting in defense, cannot be angry,
Worker winning for growth, cannot be vengeful,
Employer receives more, and has to be humble,
Care for the female, thoughts for the ruler,
respect for the enemy and vigil for the night,
are the essence and known as basics of duty.
These are known as basics to deal with the people,
These are known as the ultimate unity with goodness.

***

सैनिक सुरक्षा के लिये हैं, वे हिंसक नहीं हो सकते,
रक्षार्थ लड़ने वाला योद्धा, क्रोधित नहीं हो सकता,
प्रगति के लिये पसीना बहाता श्रमिक प्रतिकारपूर्ण नहीं हो सकता,
नियोक्ता को जिसे बहुत मिलता है, नम्र ही होना चाहिये।
स्त्रियों के लिये चिन्ता, शासक के लिये विचार,
दुश्मन के प्रति सम्मान और रात में चौकन्नापन,
ये सार हैं और इन्हें कर्तव्य की बुनियाद कहा जाता है।
ये लोगों से व्यवहार की बुनियादें कही जाती है,
इन्हें ही अच्छाई के साथ अंतिम एकता कहा जाता है।

***

Sages always play the host, even for opposing armies,
There is saying among the soldiers
we prefer to be the guest,
There is saying among the soldiers
we prefer to annex,
We do not make a mistake, but,
wait for host to commit mistake.
This is called marching without appearing to move,
capturing the enemy without attacking,
controlling the territory without owning.

There is no disaster than underestimating the enemy,
By underestimating the enemy, we always loose our attention,
There is no catastrophe than, underestimating ourselves,
By underestimating our strength, we give up what we stand for,
When the battle is joined by matching army,
one who has dharma on his side will win.

***

ऋषि हमेशा ही जजमान होते हैं, विरोधी सेनाओं के लिये भी,

सैनिकों में एक कहावत है हमें मेहमान होना पसन्द है,

सैनिकों में एक कहावत है, हमें हड़पना पसन्द है,

हम गल्ती नहीं करते, लेकिन जजमान की गल्ती की प्रतीक्षा करते है।

यही बिना हिले गतिशील होना है,

बिना हमले के दुश्मन पकड़ना है,

बिना मालकियत के इलाके पर नियंत्रण है।

दुश्मन को कम करके आंकने से बड़ी विपदा नहीं,

दुश्मन को कम मानकर हम हमेशा अपना ध्यान ही खोते हैं,

स्वयं को कम आंकने से बड़ा कोई सर्वनाश नहीं,

अपनी क्षमता को कम आंककर हम अपनी निष्ठाओं को ही छोड़ देते हैं,

जब एक समान दो सेनायें युद्ध में उलझती हैं,

तो जिस ओर धर्म है वही जीतता है।

***

Dharma is easy to understand,

Dharma is easy to practice.

word of dharma has clarity,

action of dharma has solidarity.

Because most of us live superficial,

we do not get knowledge of it.

Those who know it are rare,

Those who do not know it are in fare,

Therefore the wise live in,

solitude and quietude even in the market,

to observe dharma, to understand dharma,

to practice dharma, to act as per dharma.

***

धर्म का समझना सरल है,

धर्म का व्यवहार सरल,

धर्म के शब्द में स्पष्टता है,

धर्म के कार्य में एकजुटता।

चूंकि हममें से अधिकांश उथले हैं,

हमें इसका ज्ञान नहीं मिलता,

इसे जानने वाले विरल हैं,

इसे न जानने वाले बहुत।

इसलिये बुद्धिमान व्यक्ति बाजार में भी एकांत और मौन में रहते हैं,

धर्म के पालन के लिये, धर्म को समझने के लिये,

धर्म के अभ्यास के लिये, धर्मानुसार कार्य के लिये।

***

Those who are at disease in diseases,
remain fit, therefore they are not sick.

Knowing the knowledge is mastery,
Knowing the ignorance is wisdom.
Ignoring the knowledge is sickness,
ignoring the ignorance is indifference.
Living differently is living lively,
living indifferently is living dead.
These are secret of happiness.

***

जो बीमारी में बीमार होते है,
वे स्वस्थ रहते हैं और इसलिए वे बीमार नहीं,

ज्ञान को जानना मालकियत है,
अज्ञान को जानना बुद्धिमत्ता,
ज्ञान की उपेक्षा बीमारी,
अज्ञान की उपेक्षा उदासीनता।
जीवन्त जीना अलग तरह से जीना है,
उदासीनता से जीना ही मरना है,
ये प्रसन्नता के रहस्य है।

***

When people do not fear force,
it is the last time that the ruler
can introspect and integrate the effort,
can listen to the critic and correct,
can listen to the masters and modify,
can listen to sages and sacrifices.

When people are intruded in their home,
when people are harassed at their work,
When people are interfered in day to day activity,
it is time for uprising to start

Therefore they say:
It is necessary for the ruler
Live local, care for local,
watch the neighbour, support the neighbour
Think global, concerned for global.

***

जब लोग शक्ति से नहीं डरते,
यह अंतिम समय है जब शासक को आत्मावलोकन कर,
अपने प्रयास संगठित करना चाहिये,
अब भी वह आलोचना को सुनकर सुधर सकता है,
अब भी वह संतो की सुनकर बदल सकता है,
अब भी वह ऋषियों की सुनकर बलिदान दे सकता है।

जब लोगों के घर में घुसपैठ होने लगे,
जब कार्यस्थल पर लोगों को परेशान किया जाये,
जब लोगों के रोजमर्रा के कामों में हस्तक्षेप किया जायेगा,
यह उठ खड़े होने का समय है।

इसलिये वे कहते हैं,
शासक के लिये जरूरी है स्थानीय जीवन और स्थानीयता का ध्यान,
पड़ोस का ध्यान और पड़ोसी का ख्याल,
वैश्विक विचार और वैश्विक सरोकार।

***

Compassion with brevity is killing,
brevity with wisdom is chilling,
of these two which is good and which is harmful?

Something is not favoured in war,
and something is not favoured in peace.
War and peace which is favoured by heaven and why?
Even the saints are unsure of this.

The dharma does not force, yet it overcomes,
Dharma does not chatter, yet it answers,
Dharma does not demand, yet people offer their life,
Dharma seems to offer no aim, yet people find aim in it,
Dharma does not screen, yet nothing slips through it,
Dharma covers all and through it lives are fulfilled.

***

करूणा के साथ बहादुरी, मारक होती है
बहादुरी के साथ बुद्धिमानी शीतलता देती है
इन दोनो में कौन अच्छा है और कौन नुकसानदेय?
युद्ध में कुछ चीजें अच्छी नहीं,
शान्ति में कुछ चीजें अच्छी नहीं,
युद्ध और शान्ति में स्वर्ग का क्या चुनाव है और क्यों ?
संत भी इस विषय में अनिश्चित हैं।

धर्म दबाव नहीं बनाता फिर भी यह पार पा लेता है,
धर्म बकवास नहीं करता, फिर भी यह उत्तर देता है,
धर्म नहीं मांगता, लेकिन फिर भी लोग इसके लिये जीवन देते हैं,
धर्म कोई लक्ष्य नहीं दिखाता,
लेकिन लोगों को इसमें लक्ष्य दिखाई देता है,
धर्म छानता नहीं है, लेकिन फिर भी इससे कोई चीज नहीं छूटती,
धर्म सर्वसमावेषी है और इसमें जीवन की परिपूर्णता है।

***

If population live in constant fear of dying,
if breaking the law means that a man will be killed,
who will dare to break the law?
Dynasty of all mercenaries lives on this law.

When many men in the constant fear of death give up,
then they are not afraid to die.
will it be of any avail to threaten them with death?

There is an official executioner in the world.
When god takes from one hand then god gives from two hands.
Man trying to take his place and become executioner,
Then man needs to observe
the way of god or they will only hurt his hand.

Therefore masters say;
Government needs to avoid the role of
suppressor and executioner.

***

अगर जनता लगातार मरने के भय में जी रही है,
अगर नियम तोड़ने का अर्थ मृत्यु है,
तो फिर नियम तोड़ने का दु:साहस कौन करेगा ?
हत्यारों के वंश इसी नियम पर जिन्दा हैं।

अगर मृत्यु के भय से लगातार पीड़ित बहुत से लोग टूट जाते हैं,
तो फिर वे मृत्यु से नहीं डरते,
क्या तब उन्हें मृत्यु से डराने का कोई अर्थ है ?

दुनियां में एक ही मान्य हन्ता है,
जब ईश्वर एक हाथ से लेता है और दोनों हाथों से देता है,
उसका स्थान लेने का प्रयास करते मनुष्य हत्यारे हो जाते हैं,
तब मनुष्य को ईश्वर का मार्ग समझने की जरूरत है,
अन्यथा उनके ही हाथ में चोट लगेगी।

इसलिये ज्ञानी कहते हैं,
शासन को दमनकर्ता और हत्यारों की
भूमिका नहीं लेनी चाहिये।

***

Why are the people starving?

Because the rulers eat up the money by manipulating the taxes,

Materialist eats up the money by manipulating the rules,

Rebellion burns up the money

by manipulating the mind of its members.

Why do people suicide?

Because society and rulers demand too much of life,

having little to live on, having little to believe on,

people feel it is better to die, than to value life too much.

Rulers, wherein suicides are rampant deserve to be removed.

Rulers, who harasses failure cases of suicide is satanic,

and deserves to be punished.

***

लोग भूख से पीड़ित क्यों हैं,
क्योंकि शासक करों में जोड़–तोड़कर पैसा हड़प जाता हैं,
भौतिकवादी शासन में जोड़–तोड़कर पैसा हड़प जाते हैं,
विद्रोही अपने सदस्यों के मस्तिष्क में
हेराफेरी कर पैसा हड़प जाता है।

लोग आत्महत्यायें क्यों कर रहे हैं ?
क्योंकि समाज और शासक जीवन से बहुत ज्यादा मांग करते हैं,
क्योंकि जीने के लिये बहुत कम है,
क्योंकि विश्वास के लिये बहुत कम है,
लोगों को जीवन को ज्यादा मूल्य देने की जगह मरना ठीक लगता है।

ऐसे शासक, जिनके अधीन सब ओर आत्महत्यायें हैं,
हटा दिया जाना चाहिये,
शासक जो कि आत्महत्या के प्रकरणों को तंग करते हैं, शैतानी हैं,
इन्हें दंड मिलना चाहिये।

***

A child is born gentle and weak,

Man is grown flexible and strong,

A sapling is gentle and weak,

Tree is grown flexible and strong,

at their death they become stiff and weak.

Stiffness and weak is disciple of death,

Gentle and weak is disciple of hope,

whereas flexible and strong are the order of the day.

Thus an army flexible and strong will win and sustain,

Therefore a young country will win and sustain,

or to win and sustain country has to remain young.

***

एक बच्चा कोमल और कमजोर पैदा होता है,
मनुष्य बढ़कर लचीला और मजबूत हो जाता है,
एक अंकुर कोमल और कमजोर होता है,
पेड़ लचीला और मजबूत हो जाता है,
मृत्यु पर ये कड़े और कमजोर हो जाते हैं।

कड़े और कमजोर तो मृत्यु के शिष्य हैं,
कोमल और कमजोर आशा के,
जबकि लचीले और मजबूत वर्तमान की संतान है,
इस तरह एक सेना जो लचीली और मजबूत है वहीं जीतेगी,
बनी रहेगी,
जीतने और बने रहने के लिये देश को युवा रहना होगा।

***

The mountains has to originate the river,
the ocean has to originate the cloud,
The mountain has to maintain continuity of rivers,
the ocean has to maintain continuity of clouds,
Sun is the originator of river and cloud.

Therefore sages has to see
That ruler has to maintain livelihood of the public,
and the public has to maintain taxes of the ruler,
Dharma is the originator of the expenses and taxes.

Birth and death are the way for the individuals,
breaking and making are the way for the country,
rise and fall are the way for the society,
Those who originate happiness,
and maintain liveliness stay longer.

***

पर्वतों को नदियों को जन्म देना है,
सागरों को बादलों को जन्म देना है,
पर्वतों को नदियों की निरन्तरता बनानी है,
सागरों को बादलों की निरन्तरता बनानी है,
सूर्य ही नदियों और बादलों को मूल श्रोत है।

इसलिये ऋषियों को देखना होगा,
कि शासक जनता की रोजीरोटी बनाये रखे,
कि जनता शासक के करों को बनाये रखें,
धर्म ही सारे खर्चों और करों का श्रोत है।

जैसे जन्म और मृत्यु व्यक्तियों के लिये है,
वैसे ही बनना और मिट जाना देशों के लिये,
उत्थान और पतन समाज के लिये,
वे जो प्रसन्नता पैदा करते हैं और जीवन्त बने रहते हैं।

***

Nothing is softer and yielding than air,
Yet for burning nothing is better than air.

The fluid can overcome the solid,
The supple will replace the stiff,
Yet solid is required for fluid to flow and perform,
people knows this, yet very few put it into practice.
Therefore the masters say;
He who takes upon himself the pressure of,
softer and fluid is fit to contain them.
He who takes upon the subject,
as his son and daughter deserves to be the ruler.
The truth always sounds truthful.

***

हवा से ज्यादा कोमल और झुकने वाला कोई नहीं,
हवा से ज्यादा जलाने वाला कोई नहीं।

द्रव ठोसों से पार पा सकते हैं,
सूक्ष्म और मुलायम कठोर से,
फिर भी द्रवों के बहने और उनके कार्य के लिये ठोस जरूरी है,
लोग इसे जानते हैं, लेकिन अमल बहुत कम ही करते हैं।

इसलिये ज्ञानी कहते हैं,
जो अपने आप पर कोमल और द्रव का दबाव लेता है,
वही उन्हें सीमित कर सकता है,
जो अपने मातहतों को अपने पुत्र या पुत्री की तरह देखता है,
वही शासक बन सकता है,
सत्य हमेशा सत्य रहता है।

***

After a bitter quarrel, resentment must remain,

is it necessary?

What can one do about it?

Being indifferent is like a dead,

Being in clash is the beginning of fight,

Being in fight is the beginning of war

Being in war is the beginning of an end

unfinished war leads to diplomacy and fresh approach.

Therefore in nature clash is always continued,

Nature assists in annihilation of bad and assimilation of good.

***

एक कड़वी लड़ाई के बाद हिकारत रहनी चाहिये,
क्या यह जरूरी है ?
इसके लिये कोई क्या कर सकता है ?

उदासीनता मरने के समान है,
झगड़ा, लड़ाई की शुरूआत है,
लड़ाई युद्ध की शुरूआत है,
युद्ध समाप्ति की शुरूआत है,
अनिर्णित युद्ध छल कपट और नई सोच की शुरूआत है,
प्रकृति में झगड़ा हमे ा चलता रहता है।
प्रकृति बुरे को बरबाद और अच्छाई को आबाद करती है।

***

A small county has fewer people,

A large country has many people,

small country needs fewer machines,

a large country should keep fewer machine,

Countries may have boats, carriages and cargoes to foray,

and countries may have armor and armory to protect them,

Government may take money, machines, markets,

mercenaries seriously,

Yet people do not enjoy why?

Men like quietude and rhythm in life, why?

As men are happy in their ways,

Men are happy in the sight of neighbour,

Men are happy in the closeness of pets and petals,

Men are happy in living happily as well as dying happily.

Men take health, wealth, marriage, children,

wishes, friend and death seriously

and so society enjoys.

***

छोटे देश में कम लोग,

बड़ा देश बहुत लोग,

छोटे देश कम लोग, तो जरूरत क्या ज्यादा मशीनों की,

बड़े देश तो लोग बहुत, तो जरूरत क्या ज्यादा मशीनों की,

देश में नावें, मालवाहक और जहाज जाने के लिये हो,

देश में शस्त्रागार रक्षा के लिए,

सरकारे धन मशीन, बाजार,

यौद्धक को ध्यान दे,

लेकिन आदमी आनंद में नही है क्यों?

मनुश्य जीवन शांति लय चाहता है क्यों?

मनुश्य अपनी तरह से प्रसन्न होना चाहता है,

मनुश्य अपने पड़ोसी के पास प्रसन्न होता है,

मनुश्य प्रसन्न है प्रसन्नता में रहने से,

और प्रसन्नता में मरने से,

जहॉ मनुश्य स्वास्थ्य, धन, विवाह, बच्चे,

मन्नत मित्र और मृत्यु का ध्यान रखते है,

समाज मजे करता है।

***

Truthful words are tested,

Truthful words are tasted,

Truthful words are hygienic and clean the heart,

Truthful words are truly beautiful,

Beautiful words are bubble of truth

Sages announce.

Wise understands and says,

Intellectuals argue and claim,

Leaders listen and lead,

Followers follow and take.

To get something you have to leave something,

to get everything you have to leave everything.

The levels in the society and level of the society,

depends on how much one leave.

Leave, Love and Live,

Why, what, where, when, how much, to whom,

Dharma is the guide

The sages say so……..

***

Kalpana Sengar

सत्य शब्द परीक्षित होते हैं,
सत्य शब्द अनुभव सिद्ध और चखे होते हैं,
सत्य शब्द स्वच्छ होते हैं और हृदय को शुद्ध करते हैं,
सत्य शब्द वास्तव में सुन्दर होते हैं,
सुन्दर शब्द सत्य के बबूले हैं।

ऋषि घोषणा करते हैं,
बुद्धिमान समझते और कहते हैं,
बौद्धिक बहस और दावा करते हैं,
नेता सुनते और नेतृत्व करते हैं,

अनुगामी ग्रहण करते और पीछे चलते हैं,
कुछ पाने के लिये कुछ छोड़ना होता है,
सबकुछ पाने के लिये सबकुछ छोड़ना हैं।

समाज के संस्तर और समाज का स्तर,
छोड़ने पर निर्भर करता है,
छोड़ो, प्रेम करो और जियो,
क्यों, क्या, कहां, कब, कितना और किसे,
धर्म ही निर्देशक है,

***

कल्पना सेंगर